Follow us on :

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# भारत भास्कर

हर खबर का असर

bharatbhaskar.com

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-198 ● रायपुर, मंगलवार 15 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179


### बधाई एवं अवकाश सूचना

दैनिक भारत भास्कर के समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों एवं आलोचकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर **दैनिक भारत भास्कर** के कार्यालय में 15 अगस्त 2023 को अवकाश रहेगा। अतः हमारा अगला अंक 17 अगस्त को आपके हाथों में होगा।

-संपादक

# राष्ट्रपति का देशवासियों से आग्रह महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्वतंत्रता दिवस से पहले देश तिरंगे के रंग में रंग गया है। आजादी के तराने गूंज रहे हैं तो लोगों में जोश भी दिख रहा है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित कर रही हैं।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियो, देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई! यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, 15 अगस्त, 1947 के दिन देश ने एक नया सवेरा देखा। उस दिन हमने विदेशी शासन से तो आजादी हासिल की ही, हमने अपनी नियति का निर्माण करने की स्वतंत्रता भी

प्राप्त की। हमारी स्वाधीनता के साथ, विदेशी शासकों द्वारा उपनिवेशों को छोड़ने का दौर शुरू हुआ और उपनिवेशवाद समाप्त होने लगा। हमारे द्वारा स्वाधीनता के लक्ष्य को प्राप्त करना तो महत्वपूर्ण था ही, लेकिन उससे भी ज्यादा उल्लेखनीय है, हमारे स्वाधीनता संग्राम का अनोखा तरीका।

उन्होंने कहा, महात्मा गांधी तथा अनेक असाधारण एवं दूरदर्शी विभूतियों के नेतृत्व में हमारा राष्ट्रीय आंदोलन अद्वितीय आदर्शों से अनुप्राणित था। गांधी व अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों को जन-जन में संचार किया। भारत के ज्वलंत उदाहरण का अनुसरण करते हुए हमारे स्वाधीनता संग्राम की आधारशिला सत्य और अहिंसा को पूरी दुनिया के अनेक राजनीतिक संघर्षों में सफलतापूर्वक अपनाया गया है।

स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए अपने इतिहास से फिर से जुड़ने का अवसर होता है। यह हमारे वर्तमान का आकलन करने और भविष्य की राह बनाने के बारे में चिंतन करने का अवसर भी है। आज हम देख रहे हैं कि भारत ने न केवल विश्व मंच पर अपना यथोचित स्थान बनाया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपनी प्रतिष्ठा को भी बढ़ाया है। अपनी यात्राओं और प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत के दौरान मैंने अपने देश के प्रति उनमें एक नए विश्वास और गौरव का भाव देखा है।

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मैं भारत के नागरिकों के साथ एकजुट होकर सभी ज्ञात और अज्ञात स्वाधीनता सेनानियों को कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके असंख्य बलिदानों से भारत ने विश्व समुदाय में अपना स्वाभिमानपूर्ण स्थान फिर से हासिल किया है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, मातंगिनी हाजरा और कनक लता बरुआ जैसी वीरांगनाओं ने भारत माता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। मां कस्तूरबा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ कदम से कदमा मिलाकर सत्याग्रह के मार्ग पर चलती रहीं। सरोजनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्मविश्वास के साथ देश व समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं।

उन्होंने आगे कहा, आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर योगदान दे रही हैं और राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं।

आज हमारी महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारे देश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आर्थिक सशक्तिकरण से परिवार और समाज में महिलाओं की स्थिति मजबूत होती है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करती हूं कि वे महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें। मैं चाहूंगी कि हमारी बहनें और बेटियां साहस के साथ हर तरह की चुनौतियों का सामना करें और जीवन में आगे बढ़ें। महिलाओं का विकास, स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों में शामिल है।

भारत पूरी दुनिया में विकास के लक्ष्यों और मानवीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अग्रणी स्थान बनाया है और जी 20 देशों की अध्यक्षता का दायित्व भी संभाला है। चूंकि जी 20 समूह दुनिया की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। जी 20 की अध्यक्षता के जरिए भारत व्यापार और वित्त के क्षेत्रों में हो रहे फैसलों को न्यायसंगत प्रगति की ओर ले जाने के लिए प्रयासरत है।

भारतीय स्वतंत्रता दिवस का उत्सव हम सभी 15 अगस्त 1947 से आज तक बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते चले आ रहे हैं। इस दिन समस्त विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रगीत गाया जाता है। उन सभी महापुरुषों, शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने स्वतंत्रता हेतु अपने प्राणों की बाजी लगा दी। इस दिन स्कूलों में मिठाइयां भी बांटी जाती हैं। 15 अगस्त के दिन हमारी राजधानी दिल्ली में हमारे प्रधानमंत्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं तथा वे राष्ट्र के नाम संदेश देते हैं। सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। स्कूलों और अन्य कई स्थानों पर अनेक सभाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें बहुत ही उत्साह के साथ मनाना चाहिए तथा भारत? की रक्षा करने के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए। सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

# स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष को याद करने का दिन है स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर हिन्दुस्तान में जगह-जगह हवा में लहराता झंडा हमें स्वतंत्र भारत के नागरिक होने का अहसास कराता है। स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन हमारा हिन्दुस्तान 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से स्वतंत्र हुआ था। इसी दिन हमारे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने हमें अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। हमें आजादी दिलाने के लिए न जाने कितने वीर-वीरांगनाओं ने अंग्रेजों की अमानवीय यातनाओं व अत्याचारों का सामना किया और देश की आजादी के लिए अपनी आहुतियां दीं। यह दिन ऐसे ही वीर-वीरांगनाओं को याद करने का दिन है। इस दिन का भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए एक विशेष महत्व है। इस दिन हर भारतवासी अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करता है, जिनके खून-पसीने और संघर्ष से हमें आजादी नसीब हुई। स्वतंत्रता के मायने हर नागरिक के लिए अलग-अलग होते हैं, कोई व्यक्ति स्वतंत्रता को अपने लिए खुली छूट मानता है, जिसमें वो अपनी मर्जी का कुछ भी कर सके, चाहे वो गलत हो या सही हो। लेकिन स्वतंत्रता सिर्फ अच्छी चीजों के लिए होती है। बुरी चीजों के लिए स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। इसलिए स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो। अगर स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण ही नहीं है तो यह आजादी नहीं, बल्कि एक प्रकार का छुट्टापन होता है, जिस पर कोई लगाम नहीं होती। यही छुट्टापन देश और समाज में बलात्कार, छेड़खानी, हत्या और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के अंजाम के लिए जिम्मेदार होता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के युवा पतंगें उड़ाकर आजादी का जश्न मनाते हैं। हवा में लहराती पतंगें संदेश देती हैं कि हम आजाद देश के निवासी हैं। पर क्या तिरंगा फहराकर या पतंग उड़ाकर आजादी का अहसास हो जाता है?

क्या भारत में हर किसी को आजादी से जीने का हक मिल पाया है? हमें आजादी मिली, उसका हमने क्या सदुपयोग किया। लोग पेड़ों को काट रहे हैं। बालिका भ्रूण की हत्या हो रही है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। शराब पीकर लोग देश में सड़क हादसों को अंजाम देते हैं, और दूसरे बेगुनाह लोगों को मार देते हैं। ये कैसी आजादी है, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन कर रहा है।

बेशक भारत को स्वतंत्र हुए 73 साल हो गए हों, लेकिन आज भी हमारे आजाद भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगनी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यावहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुंच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनको उनके अधिकार दिलाने के लिए समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगे। आज देश के प्रत्येक नागरिक को बाल मजदूरी का उन्मूलन करने की जरुरत है और देश के किसी भी हिस्से में कोई भी बाल श्रमिक दिखे, तो देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह बाल मजदूरी का विरोध करे और इस दिशा में उचित कार्यवाही करे, साथ ही उनके अधिकार दिलाने का प्रयास करे। देश का हर बच्चा कन्हैया का स्वरुप है, इसलिए कन्हैया के प्रतिरूप से बालश्रम कराना पाप है। इस पाप का भगीदार न बनकर देश के हर नागरिक को देश के नन्हे-मुन्नों को शिक्षा का अधिकार दिलाना चाहिए जिससे कि हर बच्चा बड़ा होकर देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन कर सके।

भारत देश में कानून बनाने का अधिकार केवल भारतीय लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद को दिया गया है। जब भी भारत में कोई नया कानून बनता है तो वो संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) से पास होकर राष्ट्रपति के पास जाता है। जब राष्ट्रपति उस कानून पर बिना आपत्ति किए हुए हस्ताक्षर करते हैं तो वो देश का कानून बन जाता है। लेकिन आज देश के लिए कानून बनाने वाली भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था भारतीय संसद की हालत दयनीय है। जो लोग संसद के दोनों सदनों में प्रतिनिधि बनकर जाते हैं, वे लोग ही आज संसद को बंधक बनाए हुए हैं। जब भी संसद सत्र चालू होता है तो संसद सदस्यों द्वारा चर्चा करने की बजाय हंगामा किया जाता है और देश की जनता के पैसों पर हर तरह की सुविधा पाने वाले संसद सदस्य देश के भले के लिए काम करने की जगह संसद को कुश्ती का अखाड़ा बना देते हैं, जिसमें पहलवानी के दांवपेचों की जगह आरोप-प्रत्यारोप और अभद्र भाषा के दांवपेंच खेले जाते हैं, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत है देश के लिए कानून बनाने वाले संसद सदस्यों के लिए एक कठोर कानून की, जिसमें कड़े प्रावधान होने चाहिए, जिससे कि संसद सदस्य संसद में हंगामा खड़ा करने की जगह देश की भलाई के लिए अपना योगदान दें।

आज हमारे जनप्रतिनिधि आम जनता के प्रतिनिधि न होकर सिर्फ और सिर्फ अपने और अपने लोगों के प्रतिनिधि बनकर खड़े होते हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक स्वतंत्र गणतांत्रिक देश में जनप्रतिनिधियों से देश का कोई भी नागरिक ऐसी अपेक्षा नहीं करता है। हर जनप्रतिनिधि का फर्ज है कि वह अपने और अपने लोगों का प्रतिनिधि बनने की बजाय अपने क्षेत्र की संपूर्ण जनता का प्रतिनिधि बने और देश के सभी जनप्रतिनिधियों को न्यायप्रिय शासन करना चाहिए, जिसमें समाज के हर तबके के लिए स्थान हो तभी हमारी स्वतंत्रता अक्षुण्ण रह पाएगी।

बेशक हम अपना 74वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, लेकिन आज भी देश में महिलाओं को पूर्णतः स्वतंत्रता नहीं है, आज भी देश में महिलाओं को बाहर अपनी मर्जी से काम करने से रोका जाता है। महिलाओं पर तमाम तरह की बंदिशें परिवार और समाज द्वारा थोपी जाती हैं, जो कि संविधान द्वारा प्रदत्त महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों का हनन करती है। आज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार में चाहे समानता का अधिकार हो, स्वतंत्रता का अधिकार हो, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति संबंधी अधिकार हो समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशें लगाई जाती हैं, जो कि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। कोई भी देश तब अच्छे से निर्मित होता है जब उसके नागरिक चाहे महिला हों या पुरुष, उस देश के कानून और संविधान का पूर्ण रूप से सम्मान करे और उसका कड़ाई से पालन करे।

# आजादी: एक शब्द कितने मायने!

आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है, लेकिन देश आज भी काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है और भारत के रुढ़िवादी समाज में आज भी हजारों कन्याओं की भ्रूण हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार के किस्से देश में आम बात है। कई युवा (जिनमें भारी तादाद में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं, वहीं कई ऐसे युवा भी हैं, जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। हमें पैदा होते ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाता है, पर आज भी विकृत मानसिकता के कई युवा घर से बाहर निकलते ही महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने से नहीं चूकते। इस सबके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार शिक्षा का अभाव है। शिक्षा का अधिकार हमें भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के रूप में अनुच्छेद 29-30 के अंतर्गत दिया गया है, लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा।

तभी देश में अशिक्षा जैसे अंधेरे में शिक्षा रूपी दीपक को जलाकर उजाला किया जा सकता है। जब नारी को असल में शिक्षा का अधिकार मिलेगा, तभी नारी इस देश में स्वतंत्र होगी। गीता में कहा गया है कि 'सा विद्या या विमुक्तये'। यानी कि विद्या ही हमें समस्त बंधनों से मुक्ति दिलाती है, इसलिए राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए बिना भेदभाव के सभी को शिक्षा का अधिकार दिया जाना चाहिए।

भारत बेशक एक स्वतंत्र गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों बाद आज भी देश में धर्म, जाति और अमीरी-गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच-नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर की हुई है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपड़े पहनना, अच्छे घर में रहना, अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मसिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरत है देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लाने की, जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी-गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके। स्वतंत्रता दिवस प्रसन्नता और गौरव का दिवस है, इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि भारत सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी, और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारतभूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहुजातीय समाज है, जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है, जो कि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस कराते हैं। साथ ही आज उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन है, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई।

आज 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ ही देश में शिक्षा, समानता, सद्भाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए, जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

**आजादी कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है जिसमें पूरा आसमान समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है या यूँ कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं जीव-जन्तु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में था, उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजा में सांस लेने को बेचैन भारत में आजादी का पहला बिगुल 1857 में बजा किन्तु कुछ कारणों से हम गुलामी के बंधन से मुक्त नहीं हो सके। वास्तव में आजादी का संघर्ष तब अधिक हो गया जब बाल गंगाधर तिलक ने कहा कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।**

# स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने में अंतर

**क्या आप जानते हैं कि गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) और स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर झंडा फहराने में क्या अंतर है? तो चलिए हम बताते हैं इन दोनों दिवसों के बीच के अंतर के बारे में खास बातें**

**पहला अंतर** : 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडे को नीचे से रस्सी द्वारा खींचकर ऊपर ले जाया जाता है, फिर खोलकर फहराया जाता है, जिसे ध्वजारोहण कहा जाता है, क्योंकि यह 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक घटना को सम्मान देने हेतु किया जाता है, उस समय प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया था। संविधान में इसे अंग्रेजी में (ध्वजारोहण) कहा जाता है। जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा ऊपर ही बंधा रहता है, जिसे खोलकर फहराया जाता है, संविधान में इसे (झंडा फहराना) कहा जाता है।

**दूसरा अंतर** : 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री जो कि केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं, वे ध्वजारोहण करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता के दिन भारत का संविधान लागू नहीं हुआ था और राष्ट्रपति जो कि राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। इस दिन शाम को राष्ट्रपति अपना संदेश राष्ट्र के नाम देते हैं। जबकि 26 जनवरी जो कि देश में संविधान लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इस दिन संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

**तीसरा अंतर** : स्वतंत्रता दिवस के दिन लालकिले से ध्वजारोहण किया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर झंडा फहराया जाता है।

**चौथा अंतर** : पूरे भारत में गणतंत्र दिवस ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के मुकाबले स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा कुछ नहीं होता।

**पांचवां अंतर** : गणतंत्र दिवस पर देश अपनी सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विलक्षणता को दिखाता है। जबकि स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसा कुछ नहीं होता।

**छठा अंतर** : 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन समारोह में मुख्य अतिथि आते हैं। जबकि स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा नहीं होता है।

**सातवां अंतर** : 26 जनवरी और 15 अगस्त दोनों ही राष्ट्रीय पर्व हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कहा जाता है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कहा जाता है।

# राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज की खास बातें

## राष्ट्र-गान

15 अगस्त को भले ही भारत को आजादी मिली हो, लेकिन हमने अपनी आजादी का गान इसके कई वर्षों पहले ही बनाया और गाया था। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित 'जन-गण-मन'. 27 दिसंबर, 1911 को राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा द्वारा इसे अधिगृहित किया गया। संविधान सभा ने यह घोषणा की कि 'जन-गण-मन'. ही भारत का राष?ट्रगान होगा, जिसे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे सम्मान और नियम के साथ गाया जाएगा।

**नियम** : 'जन-गण-मन'. में कुल पांच अंतरा हैं, जिसे गाने में 52 सेकेंड का समय लगता है। इसे गाने के दौरान वहां उपस्थित लोगों को अपने स्थान पर इसके अभिवादन में खड़ा होना आवश्यक है। इसकी अवमानना दंडनीय अपराध है। महर्षि अरविंद ने 'जन-गण-मन'. का अंग्रेजी में अनुवाद भी किया है।

## राष्ट्रीय ध्वज

तीन रंगों से निर्मित भारत का राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया था। राष्ट्रध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 का होता है। इसमें तीन रंग होते हैं - गहरा केसरिया, श्वेत और गहरा हरा। झंडे के सबसे ऊपरी भाग में केसरिया, मध्य में श्वेत और फिर हरा रंग होता है। इसके मध्य हल्के नीले रंग का एक चक्र बना होता है, जिसमें 24 तीलियां होती हैं। यह चक्र सारनाथ में स्थित अशोक के धर्म चक्र से लिया गया है, जो हमें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। झंडे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। श्वेत रंग पवित्रता और सच्चाई का और हरा रंग विश्वास और उर्वरता का प्रतीक है।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला परिवहन अधिकारी सूरजपुर
एंव
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला खाद्य अधिकारी सूरजपुर
एंव
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला खनिज अधिकारी सूरजपुर
एंव
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता लोक निमार्ण विभाग
सूरजपुर एवं
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रधानमंत्री सड़क योजना
एवं समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
उप संचालक कृषि विभाग सूरजपुर
एंव
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
वन मंण्डलाधिकारी
सूरजपुर एंव समस्त
स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
जिला विपणन अधिकारी
सूरजपुर एंव समस्त स्टाफ
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता ग्रामीण
यांत्रिकी सेवा सूरजपुर एंव
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
जल संसाधन विभाग सूरजपुर
सूरजपुर एवं
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
वन परिक्षेत्र अधिकारी सूरजपुर
एवं
समस्त स्टाफ जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
उप संचालक पशु चिकित्सा
विभाग सूरजपुर एंव समस्त स्टाफ
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

नन्दलाल यादव
(नन्दू यादव)
भारत भास्कर जिला ब्यूरो सूरजपुर
मो.7000028540

अखबार प्रतियाँ एंव समाचार व
विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

# आत्ममंथन का अवसर है स्वतंत्रता दिवस

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक



स्वतंत्र शब्द का सीधा अर्थ है 'अपना तंत्र'। राजनीतिक संदर्भ में स्वतंत्रता समाज के अपने बनाए हुए तंत्र का अर्थ व्यक्त करती है। तंत्र से आशय किसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निर्धारित किए गए व्यवस्थापन से है। परतंत्र भारत में शिक्षा, सुरक्षा, न्याय, चिकित्सा उद्योग, व्यवसाय आदि व्यवस्थाएं इस्लामिक आक्रांताओं और अंग्रेजों की अपनी सांस्कृतिक अवधारणाओं, विश्वासों एवं मान्यताओं के अनुरूप निर्धारित की जाती रहीं। परिणामत: भारतवर्ष अपने सामाजिक-राजनीतिक तंत्र से दूर होता चला गया, अपनी परम्पराओं नीतियों-रीतियों को भुलाता चला गया तथापि निरन्तर संघर्ष करता हुआ 'स्व-तंत्र' के पुनर्प्रतिष्ठापन के लिए सजग रहा और अंतत: 15 अगस्त, 1947 को उसने स्वतंत्रता प्राप्त कर विश्वमंच पर पुन: अपनी स्वाधीनता, स्वायत्तता एवं अस्मिता प्रमाणित की किन्तु ब्रिटिश-दासता से मुक्ति के बाद हमारी विकास यात्रा में 'स्व-तंत्र' कितना विकसित हुआ और अरबों तथा अंग्रेजों के बनाए परतंत्र को हमने स्वतंत्रता की छांह तले कितना पुष्ट किया यह आजादी के अमृत महोत्सव की पुण्य बेला में निश्चय ही विमर्श का विषय होना चाहिए। व्यवस्थागत परतंत्रता से विमुक्त 'स्व-तंत्र' की पुनर्स्थापना में ही स्वतंत्रता का स्वर्णिम भविष्य सुरक्षित हो सकता है।

राजसत्ता का विस्तारवादी स्वभाव अपनी सामरिक शक्ति का आश्रय लेकर न केवल दूसरे देशों की भूमि पर अधिकार करता है प्रत्युत उनकी संस्कृति को नष्ट कर उन पर अपनी भाषा, वेश, जीवन-शैली और व्यवस्था आरोपित करने का भी हर संभव प्रयत्न करता है। विगत 800 वर्षों में इस्लामिक और ब्रिटिश शासकों ने भारत में अपने-अपने ढंग से भारत की सनातन परंपराओं को समाप्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कठमुल्लाओं ने मंदिर तोड़े, पुस्तकालय जला दिए, अतिरिक्त कर लगाए और अंग्रेजों ने भी सेवा और सुधार के नाम पर ईसाइयत का विस्तार करते हुए भारतीय सांस्कृतिक चेतना को दूर तक आहत किया। शिक्षा की गुरुकुल प्रणाली समाप्त हो गई, चिकित्सा के क्षेत्र में आयुर्वेद हाशिए पर चला गया, संस्कृति की संवाहक संस्कृत भाषा शिक्षा- क्षेत्र से बहिष्कृत हुई, सरल शाकाहारी सात्विक जीवन उपेक्षित हुआ और मांसाहार, मद्यपान तथा व्यभिचार को अपार विस्तार मिला। पुरानी रूढ़ियां और कुरीतियाँ तो कम दूर हुईं किंतु नई बुराइयों को फलने-फूलने के अवसर बहुत निर्मित हुए। ब्रिटिश शासन से मुक्ति के उपरांत भारत का नव-निर्माण भारतीय समाज की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप भारतीय-दृष्टि से किया जाता तो हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होते किंतु हमारी स्वातंत्र्योत्तर विकास की रेलगाड़ी तो अंग्रेजों की बिछायी पटरी पर ही पूर्ववत दौड़ायी गयी और आज भी दौड़ायी जा रही है। इस स्थिति में 'तंत्र' का 'स्व' विलुप्त है और 'पर' निरन्तर सशक्त हो रहा है। अपनी भौतिक उपलब्धियों और महानगरों के चकाचैंध भरे परिदृश्य में अपना मिथ्या गौरव गान गाने और अपनी पीठ स्वयं थपथपाने के लिए भले ही हम स्वतंत्र हैं किंतु सामाजिक स्तर पर हमारी एकता और अखंडता पर छाए संकट के बादल जब-तब हमारी कमजोरी उजागर कर देते हैं।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है-



राज्ञि धर्मिणि धर्मिष्ठा: पापे पापा: समे समा:।
लोकास्तमनुवर्तन्ते यथा राजा तथा प्रजा:॥

अर्थात यदि राजा धर्मशील हो तो लोग धर्मशील होते हैं, पापी हो तो पापी होते हैं, सम हो तो सम होते हैं। लोग तो राजा का अनुसरण करते हैं। जैसा राजा होता है वैसी प्रजा हो जाती है। व्यावहारिक स्तर पर इतिहास भी इस तथ्य को प्रमाणित करता है। मेवाड़ के महाराणा प्रताप के नेतृत्व में वहां की प्रजा ने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मुगलों के विरुद्ध युद्ध किया जबकि आमेर नरेश मानसिंह द्वारा अकबर की दासता स्वीकार करने के परिणाम स्वरुप वहां की सेना-प्रजा भी अकबर की सहयोगी बनी। राजतंत्र ही नहीं लोकतंत्र में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। जनता के नेता ही आज के राजा हैं। बीसवीं शताब्दी में देश के संसाधनों पर अंग्रेजो का कब्जा था, किंतु जनता के हृदय पर लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस जैसे भारतीय नेता ही राज कर रहे थे। गांधीजी ने जब व्यक्तिगत जीवन की समस्त भौतिक सुख सुविधाएं त्याग कर एक धोती-लंगोटी धारण कर देश-सेवा का व्रत लिया तो सारा देश उनके पीछे निजी सुख त्याग कर आजादी की लड़ाई में निस्वार्थ भाव से उमड़ पड़ा किंतु स्वतंत्रता के उपरांत हमारे नेताओं ने सत्ता के शीर्ष पर बैठकर जब मुफ्त की सुविधाओं के लिए स्वयं को समर्पित किया तो हमारे अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी आदि समाज के संचालक सभी वर्ग त्यागपूर्ण देशभक्ति का पाठ भूलकर व्यक्तिगत संपत्ति संचय में जुट गए और भ्रष्टाचार की कालिमा ने बलिदान के अमृत-कलश स्वतंत्रता के लोकमंगलकारी स्वरूप को साकार नहीं होने दिया। भ्रष्टाचार स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी समस्या है। दूसरी सारी समस्याएं प्राय: इसी से उपजी हैं। हमारी स्वतंत्रता के साथ-साथ पले-बढ़े भ्रष्टाचार के इस कालिया नाग की जकड़ में सारे देश की देह अकड़ रही है। कालिया को नाथने के लिए ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। अपने और पराए का भेद भूलकर समर्थन और विरोध का पथ चुनना होगा। अन्यथा स्वतंत्रता का पथ कंटकाकीर्ण हो जाएगा।

भक्ति-भावना प्राचीन काल से ही भारतीय जनमानस की नस-नस में समाई है। देश की समस्त जनता चाहे वह किसी भी धर्म का अनुसरण करती हो अपने इष्टदेव के प्रति अगाध श्रद्धा रखती है। श्रद्धा का यह प्रसार महापुरुषों संत-महात्माओं, पीर-पैगंबरों और धार्मिक नेताओं के प्रति भी दिखाई देता है। लोकतंत्र के आने से पूर्व अपने राजाओं और जमींदारों, यहां तक कि विदेशी शासकों के प्रति भी भारतीय जनता भक्ति प्रकट करती रही है। मार्क्सवादी विदेशी विचारकों के प्रति भी देश में भक्तों की कमी नहीं है किंतु यह विडंबना ही है कि सब के प्रति भक्ति से ओतप्रोत इस देश में स्वदेश, स्वभाषा एवं स्वसंस्कृति के प्रति भक्ति का प्रबल आवेग दिखायी नहीं देता। विदेशी आक्रमणकारी गजनबी, गोरी, लोधी, खिलजी और मुगल इस विशाल देश की जनता की तुलना में बहुत कम सेनाएं लेकर आए और सफल हो गए। बार-बार कत्लेआम हुए। दुश्मनों की तलवारों के सामने हमने पशुओं की भांति अपनी गर्दनें झुका दीं, कटवा दीं, किंतु तलवार लेकर सामूहिक रूप से उन पर प्रहार को उद्यत नहीं हुए प्रत्युत जान बचाने के लिए उनके सहयोगी भी बने। मुट्ठी भर अंग्रेज अपने देश-प्रेम और जातीय-एकता के बल पर इस विशाल देश पर शासन करते रहे, इसे लूटते रहे, प्रलोभन देकर धर्मान्तरित करते रहे किंतु हमने एक साथ विरोध करने में सैकड़ों वर्ष लगा दिए। हम भारतीयों का स्वभाव व्यक्ति अथवा समूह के प्रति भक्ति का अधिक है, राष्ट्र के प्रति भक्ति का कम। यही कारण है कि हममें से बहुत से लोग हिंदू, मुसलमान, जैन, बौद्ध, सिख, बंगाली, बिहारी, मराठी, सवर्ण-असवर्ण, बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक आदि पहले हैं और भारतवासी बाद में। हम कांग्रेसी, भाजपाई, सपाई व बसपाई आदि पहले हैं, भारतीय जनतंत्र की व्यवस्था के जागरूक नागरिक पीछे हैं, इसीलिए देशहित को हाशिए पर धकेलकर अपने समूह के हितों और सुविधाओं के लिए एक दूसरे के विरुद्ध जब-तब हिंसक आंदोलनों पर उतारू हो जाते हैं। हमारे चुने हुए नेतागण खुलेआम घोषणा करते हैं कि यदि उनके प्रांत का व्यक्ति राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया जाएगा तो वे उसे समर्थन देंगे, अन्यथा नहीं। इसका अर्थ यह हुआ कि उनकी दृष्टि में महत्व पद के अनुरूप योग्यता का नहीं बल्कि उम्मीदवार की क्षेत्रीयता-सामाजिकता का है। विचारणीय है कि क्या वे राष्ट्रपति अपने प्रदेश या समाज के लिए चुन रहे हैं अथवा सारे भारतवर्ष के लिए? नेताओं की क्षेत्रीय-भक्ति की ऐसी मानसिकता जनतंत्र के लिए शुभ नहीं हो सकती। स्वतंत्रता किसी भी प्रकार की संकीर्णता से ऊपर उठकर समग्रता में घटनाओं और नीतियों को देखने-समझने की अपेक्षा करती है किंतु दुर्भाग्य से राजनीतिक दलगत समूहों में बंटा देश स्वतंत्रता की इस अपेक्षा को महत्वपूर्ण नहीं समझता। अनेक तथाकथित धार्मिक नेता जेलों में बंद हैं फिर भी उनके भक्तों के मन में उनके प्रति श्रद्धा-भक्ति की कमी नहीं। भक्तों के बीच अब भी उनके जन्मदिन मनाए जाते हैं। भक्त उनकी जय-जयकार करते हैं। वे यह मानने को तैयार ही नहीं कि उनके गुरुदेव ने कहीं कुछ गलत किया है और अब वे उसी की सजा भुगत रहे हैं। भक्त समूह यह समझता है कि उसके गुरुजी निर्दोष हैं और उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। यही अंधभक्ति राजनेताओं के संदर्भ में भी उनके समर्थकों में है। ई.डी. आदि संस्थाओं की कार्यवाहियों का व्यापक विरोध इस अंधभक्ति का ताजा सबूत है। हमारे संवैधानिक व्यवस्थापन में देश का कोई भी नागरिक कानून के ऊपर नहीं। फिर शक्ति-प्रदर्शन करके अपनी पसंद के नेतृत्व को आरोप मुक्त कराने के लिए इन संस्थाओं पर अनुचित दबाव क्यों? जब हम यह मानते हैं कि सत्य की ही जय होती है तब ईमानदार सत्यवादी देशभक्त नेताओं और उनके समर्थकों को ईडी आदि से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। क्या सत्ता पक्ष इतना बलवान है कि निर्दोष विपक्ष को भी शूली पर चढ़ा दे? क्या हमारी न्यायपालिका व्यवस्थापिका के हाथों की कठपुतली मात्र है? क्या बिना सशक्त साक्ष्यों के वह किसी निरपराध को दंडित कर सकती है? यदि नहीं तो फिर संसद से सड़क तक भक्तों का विरोध प्रदर्शन क्यों? यदि उनके आराध्य निर्दोष हैं तो बेदाग छूट ही जाएंगे और यदि अपराधी हैं तो उन्हें भी सजा मिलनी ही चाहिए क्योंकि कानून से ऊपर कोई नहीं। आज भक्ति देश के प्रति जितनी अपेक्षित है, उतनी किसी दल अथवा व्यक्ति के प्रति नहीं। जो कार्य देश, जनता तथा जनतांत्रिक व्यवस्था के संरक्षण और संवर्धन के लिए हों उनका समर्थन और जो इनके प्रतिकूल हों उनका विरोध करना हर नेता एवं प्रत्येक जनसमूह का पुनीत कर्तव्य है। यही स्वतंत्रता की सुरक्षा का तकाजा भी है।

बड़े-बड़े पूंजीपतियों, कारोबारियों और ठेकेदारों को लाभान्वित करने के लिए बड़े-बड़े निर्माणों में देश के विकास का दंभ हमारे देश के कर्णधारों मिथ्या आडंबर ही अधिक सिद्ध हो रहा है। विदेशी अंग्रेजों के बनाए भवन, पुल आदि आज उनके जाने के 75 वर्ष बाद भी कामचलाउ स्थिति में सर उठाए खड़े हैं जबकि भारी लागत से बने विगत आठ-दस वर्षों के नए निर्माण भी ढहे जा रहे हैं। विदेशी पूंजी के बल पर हम आत्मनिर्भर बनने के सपने देख रहे हैं। हम भूल रहे हैं कि आत्मनिर्भरता केवल स्वावलंबन पर निर्भर करती है। उसे अपने संसाधनों से ही प्राप्त किया जा सकता है। एक ओर करभार बढ़ता जा रहा है दूसरी ओर वोट बैंक सशक्त करने के लिए सरकारें मुफ्त में राशन, बिजली, पानी बांट रही हैं। निर्धन वर्ग में अकर्मण्यता बढ़ रही है। बेरोजगारी बहुत है किंतु छोटे-मोटे काम करने वाले कारीगर-मजदूर ढूंढे नहीं मिलते। ऋण देकर प्राण-हरण की शोषक वृत्ति बढ़ी है। अमीर बनने की धुन युवाओं को अपराध की ओर धकेल रही है। सड़कें बदहाल हैं, पेट्रोल महंगा है, फिर भी अनियंत्रित गति से दौड़ती बाइकों और कारों की बढ़ती भीड़ में हम प्रगति का दावा ठोक रहे हैं। आत्ममुग्ध सत्ता-पक्ष और सत्ता में वापस आने के लिए कुछ भी करने को उद्यत आक्रामक विपक्षङ्क दोनों ही भारतवर्ष के 'स्व' से उत्तरोत्तर दूर हो रहे हैं। यूरोप की खूनी क्रांतियाँ भारत की शांत-भूमि में जड़े तलाश रही हैं। आवश्यकता एक बार फिर भारतीय समाज को भारतीय जीवन शैली के अनुरूप पुनर्गठित करने की है। महात्मा गांधी के 'हिन्द स्वराज' के अनुरुप आधुनिक संदर्भों में विकास का पथ तलाश करने की है। सत्ता-पक्ष और विपक्ष यदि देशहित में एक होकर इस दिशा में प्रयत्नशील हों और भ्रष्टाचार तथा वोट बैंक की दूषित राजनीति के चंगुल से व्यवस्था को मुक्त करा सकें, विभिन्न समूहों के मोतियों को राष्ट्रीय-एकता के सूत्र में पिरो सकें तो हमारी स्वतंत्रता और भी अधिक अमृतफल-दायिनी बन सकेगी। स्वतंत्रता उच्छृंखलता नहीं अनुशासन है। स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सव पर हर देशवासी में यह बोध जाग्रत होना आवश्यक है।

## संपादकीय

# यही वाजिब सवाल है

कानून के राज का सिद्धांत सभ्यता के विकास के साथ प्रचलन में आया, जिसकी बुनियादी मान्यता है कि कानून सबसे ऊपर है और कानून की निगाह में सभी बराबर हैं। प्रश्न यही है कि क्या नूंह में इस सिद्धांत का पालन हुआ है? पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के नूंह में मुसलमानों के घर बुल्डोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए यह अहम सवाल पूछा कि क्या एक समुदाय विशेष के मकानों को ढाह कर 卐सरकार इथनिक क्लीजिंग卐 कर रही है? इस शब्द का संदर्भ बड़ा है। यह शब्द नाजी जर्मनी के समय प्रचलित हुआ था, जब हिटलर की सत्ता ने यहूदियों के सफाये का अभियान छेड़ा था। आज के भारत में किसी संवैधानिक न्यायालय को ऐसा प्रश्न पूछना पड़ा है, तो यह हम सबके लिए विचारणीय है कि क्या हालात सचमुच इस मुकाम तक पहुंच चुके हैं? मीडिया रिपोर्टों से साफ है कि नूंह के दंगे में दोनों समुदायों के हिंसक तत्वों ने भागीदारी की। लेकिन बुल्डोजर की कार्रवाई एक समुदाय विशेष के मकानों पर हुई है। उसमें एक दर्दनाक कहानी तो एक ऐसे व्यक्ति की सामने आई है कि जिसने असल में तीन हिंदुओं को अपने घर में छिपा कर उनकी जान बचाई थी। लेकिन बुल्डोजर ने उसके घर को भी नहीं बख्शा, जबकि हिंदू समुदाय के जिन लोगों को वहां संरक्षण मिला था वे पुलिस के सामने गुहार लगाते कि संबंधित व्यक्ति का दंगे में कोई भूमिका नहीं थी, बल्कि उसने अपने घर में आए हिंदुओं की आवभगत करते हुए उनकी जान बचाई। जब ऐसी घटनाएं हो रही हों, तब संवैधानिक सोच वाले किसी व्यक्ति के मन में वैसा सवाल उठना लाजिमी हो जाता है, जो अब हाई कोर्ट ने पूछा है। वैसे भी बुल्डोजर न्याय कानून के राज और इंसाफ के तमाम आधुनिक सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। इन सिद्धांतों के मुताबिक कार्यपालिका और पुलिस खुद यह तय नहीं कर सकती कि कौन दंगाई या दोषी है? उनका काम अभियोग लगाना है, जिस पर कोर्ट कानून में तय प्रावधानों के मुताबिक निर्णय देता है। इसीलिए बुल्डोजर न्याय असल में कानून के राज को ध्वस्त कर रहा है। कानून के राज का सिद्धांत सभ्यता के विकास के साथ प्रचलन में आया, जिसकी बुनियादी मान्यता है कि कानून सबसे ऊपर है और कानून की निगाह में सभी बराबर हैं। प्रश्न यही है कि क्या नूंह में इस सिद्धांत का पालन हुआ है?

# शिक्षा-व्यवस्था : योग्यता का गोरखधंधा

डॉ. प्रवेश कुमार

भारतीय समाज विभिन्नताओं से भरा है, और विभिन्नताओं में एकता का होना ही हिन्दुस्तान है। हम सब सैकड़ों वर्ष विदेशी ताकतों के अधीन रहे। इसके कारणों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि हम गुलाम क्यूं बने। क्या कारण था कि भारत का विशाल हिन्दू समाज भारी संख्या में होने पर भी मुट्ठी भर लोगों से हार गया। भारत के बौद्ध मत की शक्ति ने जहां अपने विचार से दुनिया के तमाम देशों में अपने अनुयायियों को खड़ा किया वहीं भारत कैसे थोड़े से लोगों का गुलाम हो गया। इसके पीछे के कारणों को हमारे तमाम महापुरुषों ने बताया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार कहते हैं, 'हिन्दू समाज में सहोदर भाव की कमी के कारण ही हमें अधीनता का काल देखना पड़ा'। वीर सावरकर से लेकर महादेव गोविंद रानाडे अथवा ज्योतिबा फुले एवं बाबा साहेब अंबेडकर ने भी यही माना। यही कारण था कि बाबा साहेब ने आजीवन समाज के असमान माने जाने वाले सभी वर्गों को समाज की मुख्यधारा में 'समान अधिकार-परस्पर सम्मान' दिलाने के लिए संघर्ष किया। सम्मान केवल बोलने से नहीं आने वाला है। मैं अक्सर कहता हूं कि सामाजिक समरसता मात्र बोलने की चीज नहीं, बल्कि उसे आचरण में लाने की आवश्यकता है। प्राय: लोगों द्वारा कहा जाता है कि हम समरस हैं। हम तो दलितों के यहां भोजन कर लेते हैं, उनके साथ घूमते-फिरते हैं। लेकिन जैसे ही आरक्षित वर्ग का हमारा कोई मित्र कोई पद पा लेता है, तो हम तुरंत यह भी बोल देते हैं कि वो तो आरक्षण था न इसलिए मिल गया, तुम्हारे लोगों की तो मेरिट ही कम जाती है। इस पर मुझे पिछले दिनों के एक लेख का स्मरण हो जाता है, जिसे डॉ. अदिति पासवान ने लिखा। इंडियन एक्सप्रेस में छपे इस लेख 'कोटा किड' में उन्होंने बखूबी दलित समस्या को उभारा है। यह लेख उन तमाम लोगों पर तमाचा है, जो कहते हैं कि हम समरस हैं पर असल में जाति उनके भीतर है। मुझे याद है कि मेरे एक घनिष्ठ मित्र अक्सर मुझसे कहते थे कि 'रामविलास पासवान किसी दलित डॉक्टर से क्यूं नहीं इलाज कराता। हमेशा सामान्य वर्ग के डाक्टर को ही क्यों ढूंढ़ता है'। अब पासवान ऐसे करते थे अथवा नहीं, यह तो हम नहीं जानते पर यह विमर्श जरूर समाज में पैदा किया जाता रहा है। मेरे तमाम उदाहरण देने का मकसद था कि हमारे सभी मनीषियों ने भारत को समरस बनाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्हीं प्रयासों का परिणाम था 'प्रतिनिधित्व का अधिकार' यानी कि आरक्षण। समरस समाज को बनाने के लिए छत्रपति साहू जी महाराज ने 1902 में आरक्षण का प्रावधान अपने राज्य के तमाम पिछड़े एवं दलित वर्ग के लिए किया था। आजादी की लड़ाई में ही 1932 में पूना पैक्ट के माध्यम से तमाम अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को आरक्षण दिया गया। यह आरक्षण सर्वप्रथम दलितों को दिया गया-यह मिथ वर्षो से लोगों के मन में है। पहली बार 1852 में अंग्रेजों ने गैर-अंग्रेजों यानी पढ़े-लिखे भारतीयों को आरक्षण दिया। आरक्षण का अभिप्राय भी प्रतिनिधित्व से ही है। जैसे पढ़े-लिखे भारतीयों ने अंग्रेजों से इसकी मांग की थी।

उसी तरह बाबा साहेब अंबेडकर ने अनुसूचित जाति के लिए प्रतिनिधित्व की मांग की। यह प्रतिनिधित्व धीरे-धीरे महिला, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग और हाल में आर्थिक रूप से पिछड़े समाज के लिए भी किया गया है। अब आरक्षण तो लागू हो गया लेकिन उसे जमीन पर लाने की जिम्मेदारी जिन कंधों पर थी, वह सभी जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त, गैर-समता में विास करने वाले थे। यही कारण है कि आज भी चतुर्थ श्रेणी को छोड़ कहीं पर भी आरक्षित वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। क्या उपयुक्त पद के लिए आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट नहीं मिलते अथवा मानसिक बीमारी के कारण इस वर्ग का समावेशन नहीं किया जा रहा है।

हाल के वर्षो में देश भर के केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों में आरक्षित वर्ग की सीटों को नहीं भरा गया। हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय में तो अधिकतर पदों पर यह लिख दिया गया कि 'हमें आरक्षित वर्ग में कोई भी उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिला (एनएफएस-नॉट फाउंड सुटेबल'। दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉमर्स विभाग अथवा अन्य कई विभागों में-कोई भी उपयुक्त नहीं-लिख कर आरक्षित वर्ग को कमतर बताने का प्रयास किया गया है। लखनऊ विविद्यालय, इलाहाबाद तथा जेएनयू सभी में यही हाल है। अभी गुरु घासीदास यूनिर्वसटी ने भी अधिकतर सीटों पर एनएफएस लगा दिया है। इस एनएफएस को लेकर आरक्षित वर्ग में काफी रोष है। प्रो. हंसराज सुमन एवं जेएनयू के प्रो. राजेश पासवान कहते हैं कि 'अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को एनएफएस किया जाना, कुछ लोगों की जातिवादी मानसिकता का परिचायक है। ये लोग अपने विवेक का इस्तेमाल बेईमानी के लिए करते हैं। यह समस्या एक दिन विकराल रूप न बन जाए, मुझे इसकी चिंता जरूर है'।

पिछले दिनों लोक सभा में एक प्रश्न के जवाब में शिक्षा मंत्रालय ने जवाब में कहा कि कुल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में केवल एक में ही अनुसूचित जाति का उप-कुलपति है। वहीं जनजाति में भी एक है, अन्य पिछड़ा में 5 हैं। अगर रजिस्ट्रार देखें तो अनुसूचित जाति के 2 हैं, वहीं जनजाति के भी 2 ही हैं, वहीं अन्य पिछड़े समाज के तीन हैं। इन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर अनुसूचित जाति की तय सीटों की मात्र 7 प्रतिशत ही भरी गई हैं, वहीं जनजातियों एवं पिछड़े समाज की क्रमश: 2 एवं 4.5 प्रतिशत हैं।

अमूमन यही स्थिति एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर में भी है। देखें तो भारत में कुल आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा आरक्षित वर्ग से आता है लेकिन इसी वर्ग की हालत कोई खास अच्छी नहीं दिखती। जिस तरह से प्रतिष्ठित संस्थानों में जाति के आधार पर योग्य और अयोग्य होने का खेल खेला जाता है, वही सब कुछ गांवों में भी दलित जातियों के साथ बदस्तूर है।

# आत्मनिर्भरता स्वतन्त्रता की जननी है

डॉ शंकर सुवन सिंह

भारत में स्वतंत्रता दिवस को बहुत अहम दिन माना जाता है। 200 साल की लम्बी लड़ाई के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से पूर्ण रूप से आजादी मिली। स्वतंत्रता दिवस, 1947 में ब्रिटिश शासन के अंत और स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र की स्थापना का प्रतीक है। यह दो देशों, भारत और पाकिस्तान में उपमहाद्वीप के विभाजन की सालगिरह का प्रतीक है, जो 14 से 15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को हुआ था। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 14 अगस्त मध्यरात्रि को 'ट्रिस्ट वीद डेस्टिनी' भाषण के साथ भारत की आजादी की घोषणा की।तब से हर साल 15 अगस्त को भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, जबकि पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को मनाया जाता है। 15 अगस्त 1947 में भारत आजाद हुआ था। इसलिए भारत इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है। यह भारत का राष्ट्रीय दिवस है। स्वतन्त्रता दिवस से सभी भारतीयों की भावनाएं जुडी हुई हैं

अंग्रेजों ने भारतीय उपमहाद्वीप पर अपना पहला चौकी 1619 में सूरत के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थापित किया। उस शताब्दी के अंत तक, ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास, बॉम्बे और कलकत्ता में तीन और स्थायी व्यापारिक स्टेशन खोले थे। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक, ब्रिटिशों ने इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार जारी रखा, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के वर्तमान समय के अधिकांश हिस्सों पर उनका नियंत्रण था। भारत में ब्रिटिश शासन 1757 में शुरू हुआ, जब प्लासी के युद्ध में ब्रिटिश जीत के बाद, अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश पर नियंत्रण स्थापित करना शुरू कर दिया। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत पर 100 वर्षों तक शासन किया। इसे 1857-58 में भारतीय विद्रोह का सामना करना पड़ा। प्रथम विश्व युद्ध (28 जुलाई 1914 ङ्क 11 नवंबर 1918) के दौरान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन शुरू हुआ। इसका नेतृत्व मोहनदास करमचंद गांधी ने किया था। महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के शांतिपूर्ण और अहिंसक अंत की वकालत की। पूरे भारत में स्वतंत्रता दिवस को, झंडा उठाने वाले समारोहों, कवायदों और भारतीय राष्ट्रगान के गायन के साथ चिह्नित किया जाता है। पुरानी दिल्ली के लाल किले के ऐतिहासिक स्मारक में प्रधानमंत्री के झंडा चढ़ाने के समारोह में भाग लेने के बाद, एक परेड सशस्त्र बलों और पुलिस के सदस्यों के साथ होती है। प्रधानमंत्री तब देश को एक टेलिविज़न के माध्यम से एड्रेस देते हैं। यह एड्रेस भारत की प्रमुख उपलब्धियों को बताता है और भविष्य की चुनौतियों और लक्ष्यों को रेखांकित करता है।15 अगस्त को राजपत्रित अवकाश रखा जाता है। पूरी दुनिया कोरोनावायरस महामारी (छ्श्न1द्बस्न-19) की चपेट में है। इस महामारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा दिया है। 15 अगस्त 2020 स्वतन्त्रता दिवस की थीम है आत्मनिर्भर भारत। भारत में वर्ष 2023 में 77 वाँ स्वतन्त्रता दिवस मनाया जा रहा है।

स्वाधीनता के 76 वर्ष पूरे हो गए। स्वतन्त्रता के बाद व्यवस्था क्षीण होती गई। स्वतन्त्रता जैसे शब्द ,शब्द तक ही सीमित रह गए। स्वतन्त्रता का अनुपालन सही मायने में नहीं हो सका। सत्य और अहिंसा विरोधी रथ पर सवार हो सत्ता के चरम शिखर पर पहुँचने वाले सुधारकों की मनोदशा ठीक नहीं है।सुधारकों की प्रवृत्ति ठीक होती तो देश में आरक्षण को लेकर राजनीति न होती।

भ्रष्ट प्रशासन ,शिक्षा से लेकर न्याय तक का राजनैतिककरण होना,लोकतंत्रात्मक प्रणाली का जुगाड़ तंत्रात्मक हो जाना आदि अन्य सामाजिक कुरीतियों ने जन्म ले लिया। भारत में लोकतंत्र है और राजनेताओं ने लोकतंत्र का आधार, आरक्षण को बना दिया है।25/08/1949 ई में संविधान सभा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आरक्षण को मात्र 10 वर्ष तक सिमित रखने के प्रस्ताव पर एस. नागप्पा व बी. आई. मुनिस्वामी पिल्लई आदि की आपत्तियां आई। डॉक्टर अम्बेडकर ने कहा मैं नहीं समझता कि हमे इस विषय में किसी परिवर्तन की अनुमति देनी चाहिए।यदि 10 वर्ष में अनुसूचित जातियों की स्थिति नहीं सुधरती तो इसी संरक्षण को प्राप्त करने के लिए उपाए ढूढ़ना उनकी बुद्धि शक्ति से परे न होगा। आरक्षण वादी लोग , डॉ अम्बेडकर की राष्ट्र सर्वोपरिता की क़द्र नहीं करता। आरक्षण वादी लोगों ने राष्ट्र का संतुलन ख़राब कर दिया है।आरक्षण वादी लोग वोट की राजनीति करने लगे हैं न कि डॉ अम्बेडकर के सिद्धांत का अनुपालन कर रहे हैं। आरक्षण देने की समय सीमा तय होनी चाहिए जिससे दबे कुचले लोग उभर सकें।जब आरक्षण देने की तय सीमा के अंतर्गत दबे कुचले लोग उभर जाएं तो आरक्षण का लागू होना सफल माना जाए। आरक्षण कोटे से चयनित न्यायाधीश, आई.ए.एस., आई.ई.एस., पी.सी.एस. , इंजीनियर ,डॉक्टर आदि अपने कार्य का संचालन ठीक ढंग से नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें कोटे के तहत उभरा गया। इस प्रकार के आरक्षण से मानवता पर कुठारा घात हो रहा है। अतएव शिक्षित व योग्य व्यक्ति को शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। इस प्रकार की आरक्षित कोटे कि शिक्षा विकास कि उपलब्धि नहीं है। यह विकास के नाम पर अयोग्य लोगों को शरण देने वाली बात है। किसी भी देश के विकास में आरक्षण अभिशाप है।आज यदि हम देश को उन्नति की ओर ले जाना चाहते हैं और देश की एकता बनाये रखना चाहते हैं, तो जरूरी है कि आरक्षणों को हटाकर हम सबको एक समान रूप से शिक्षा दें और अपनी उन्नति का अवसर पाने का मौका दें। अत: राष्ट्र के विकास को जीवित रखने के लिए , आरक्षण को वोट कि राजनीति से दूर रखना होगा। आरक्षण, विकास का आधार नहीं हो सकता। आरक्षण लोकतंत्र का आधार नहीं हो सकता। आरक्षण समुदाय को अलग करने का काम करता है न कि जोड़ने का। ऐसी डोर जो समुदाय या लोगों को जोड़े वह है लोकतंत्र। लोकतंत्र का आधार सिर्फ और सिर्फविकास हो सकता है क्योंकि डोर या रस्सी रूपी विकास ही समूह को जोड़ने का आधार है। लोकतंत्र का आधार विकास होना चाहिए न कि आरक्षण। ताजा स्थिति यह है कि आरक्षण राष्ट्रीय विकास पर हावी है।जिस तरह देश में फर्जी स्कूलों कि बाढ़ आ चुकी है और हजार हज़ार में डिग्रियाँ बिक रही है जिससे वो लोग डिग्री तो पा लेते है किन्तु अपने दायित्वों का निर्वाह नही कर पाते क्युंकि योग्यता तो होती नही ! परिश्रम किए बिना ही पद मिल गया वही स्थिति जाति प्रमाण पत्र की है कि बिना परिश्रम के जाति प्रमाण पत्र के सहारे पद मिल जाता है। फिर देश का नाश हो या सत्यानाश इन्हे कोई फर्क नही पड़ता। जातिवाद देश को तोड़ने का काम करता है जोड़ने का नही। ये बात इन लोगो कि समझ में नही आएगी क्यूँकि समझने लायक क्षमता ही नही है। देश के विषय से इन्हे प्यारा है आरक्षण ! दूसरों कि गलतियां निकाल कर खुद को दोषमुक्त और दया का पात्र बनाना। आरक्षण जिसे खुद अंबेडकर ने 10 साल से ज्यादा नही चाहा और जिसे ये लोग मसीहा मानते है उसके बनाए हुए नियम को खुद तोड़ते है सिर्फ़ अपनी आरक्षण नाम कि लत को पूरा करने के लिए। वैसे भी जब किसी को बिना किए सब कुछ मिलने लगता है तो मेहनत करने से हर कोई जी चुराने लगता है और वह आधार तलाश करने लगता है जिसके सहारे उसे वो सब ऐसे ही मिलता रहे ! यही आधार आज के आरक्षण भोगी तलाश रहे है। कोई मनु को गाली दे रहा है तो कोई ब्राह्मणों को। कोई हिंदू धर्म को, तो कोई पुराणों को। कुछ लोग वेदो को तो कुछ लोग भगवान को भी। परन्तु खुद के अन्दर झाँकने का ना तो सामर्थ्य है और ना ही इच्छाशक्ति। जब तक अयोग्य लोग आरक्षण का सहारा लेकर देश से खेलते रहेंगे तब तक ना तो देश का भला होगा और ना समाज का और ना ही इनकी जाति का। देश के विनाश का कारण है आरक्षण। आज हर जाति में अमीर है हर जाति में गरीब।हर जाति में ज्ञानी लोग है और हर जाति में अज्ञानी ! हर जाति में मेहनत कश लोग है और हर जाति में नकारा , हर जाति में नेता है और हर जाति में उद्योगपति। देश को तोड़ रहा है सिर्फ़ जातिवाद वो भी कुछ लोगो की लालसा, वोट बैंक की राजनीति के माध्यम से। जिस दिन हर जाति के लोग जात पात भुलाकर योग्यता के बल पर आगे जायेंगे और योग्यता के आधार पर देश का भविष्य सुनिश्चित करेंगे देश खुद प्रगति के रास्ते पर बढ़ चलेगा। आत्मनिर्भर भारत में ,आरक्षण दीमक का काम करेगा। आरक्षण , भारत को आत्मनिर्भर बनने से रोकेगा। आरक्षण आत्मनिर्भरता में बाधक है 7 बिना आत्मनिर्भर के स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। अतएव आरक्षण लोगों की स्वतन्त्रता में बाधक है। आत्मनिर्भर भारत के लिए आरक्षणमुक्त भारत होंना जरुरी है। आरक्षण, आत्मनिर्भरता की निशानी नहीं है। आरक्षण , विकलांगता की निशानी है।

स्वतन्त्रता चार उपादानों में निहित है ङ्क 1. स्वदेशी , 2.स्वाधीन , 3. स्वावलम्बी , 4. स्वाभिमानी 7आज ना तो कोई स्वदेशी रह गया , ना स्वाधीन हो पाया , ना ही स्वावलम्बी बन सका और ना ही स्वाभिमानी 7 स्वाभिमान अल्प परिमाण में बचा है परन्तु यह भी भोगवादित कुचक्र से नहीं बच पाएगा , अंत में इसे भी समाप्त होना है। इस समय लोकायत दर्शन चरितार्थ हो रहा है। लोकायत अर्थात जो इस संसार में फैला हुआ है या जो लोक में व्याप्त है। यह युग विज्ञापनों के दौर का है। इस भौतिक युग में आकर्षक होना , आकर्षित होने के क्रिया कलाप एवं तरह तरह के विदेशी सामानो का भारत आना आदि हमें स्वदेशी होने से वंचित किये हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का सपना भारत को स्वदेशी बनाने में अहम् भूमिका निभाएगा।

## सार-समाचार

## सेक्टर अधिकारी पूरी संजीदगी से करें मतदान का कार्य : कलेक्टर

### 19 और 20 अगस्त को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने विशेष शिविर, जिला स्तरीय स्वीप कोर समिति की बैठक

**भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :-** 14 अगस्त 2023 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वीप कोर समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में हुई। कलेक्टर ने साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 28 मतदान केन्द्र ऐसे हैं जहां मतदान का प्रतिशत 50 फीसदी से कम हैं। उन्होंने कम मतदान के कारणों को पहचान कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर दिया। आगामी 19 और 20 अगस्त को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने के लिए आयोजित विशेष शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सेक्टर अधिकारियों को मैदानी स्तर पर अनिवार्य रूप से निरीक्षण करने निर्देशित किया। सेक्टर अधिकारी पूरी संजीदगी और गंभीरता से कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप का लोकतंत्र में विशेष महत्व है। उन्होंने जिले के लिए तैयार स्वीप कैलेण्डर अनुसार गतिविधियां करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि यह समय स्वीप की गतिविधियां बढ़ाने का समय है। मतदाता सूची में सभी का नाम शत प्रतिशत जुड़ा होना पहला लक्ष्य है। कलेक्टर ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में वोटर लिस्ट में सभी पात्र विद्यार्थियों के नाम अनिवार्य रूप से जोड़ने के निर्देश देते हुए इसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने भी कहा। इसी प्रकार जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूलों में 18 साल की आयु पूरी करने वाले विद्यार्थियों का भी नाम जुड़वाएं। बैठक में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का अंतिम रिहर्सल

**जगदलपुर।** स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों के लिए अंतिम रिहर्सल लालबाग मैदान में किया गया। मुख्य अतिथि की भूमिका में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रकाश सर्वे रहे। उन्होंने परेड की सलामी ली। साथ में कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप ने भी परेड की सलामी ली। कलेक्टर श्री विजय ने तैयारियों का जायजा लेकर समय पर सभी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस परेड का नेतृत्व डीएसपी दीपमाला कुर्रे, सेकंड कमांड गुणेश्वरी नुरेटी कर रही है। परेड में 14 टुकडियां शामिल हो रही है जिसमें पुलिस, सीआरपीएफ, वन विभाग, नगर सेना, जिला बल, एनसीसी और स्काउट गाइड के जवान है। जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य अतिथि आदिम जाति विकास,अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास के संसदीय सचिव श्री द्वारिकाधीश यादव होंगे। रिहर्सल में स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल, अपर कलेक्टर श्री हरेश मंडावी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल श्री योगेश देवांगन, एसडीएम नंद चौबे सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

## पूर्व विधायक बाफना को डाक विभाग के अधिकारियों ने भेंट किया राष्ट्रीय ध्वज

**जगदलपुर।** डाक विभाग बस्तर संभाग के अधीक्षक आर.पी. वर्मा व अन्य अधिकारियों ने पूर्व विधायक संतोष बाफ्ना के निजी कार्यालय पहुॅचकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत् राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया। एवं पूर्व विधायक बाफ्ना ने डाक विभाग के अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बाफ्ना ने जगदलपुर वासियों से अपील करते हुए कहा कि, देश हित और राष्ट्र हित में 13 से 15 अगस्त तक अपने आवास, कार्यालय समेत व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज अवश्य लगाएं और अपनी सहभागिता निभाते हुए देशभक्ति का परिचय देकर पुन: एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को और अधिक मजबूती प्रदान करें।

इस दौरान मौजूद रहे.... दरभा मण्डल अध्यक्ष फूलसिंह सेठिया, पूर्व पार्षद संग्राम सिंह राणा, हेमंत पाण्डेय, संतोष त्रिपाठी, मानसिंह नाग, सुनील कुमार, सत्येन्द्र साव व अन्य।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से मानसिक रोगी महिला उपचार उपरांत स्वस्थ होकर पहुंची अपनों के बीच

**भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :-** 14 अगस्त 2023 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के सहयोग से मानसिक रोगी महिला को राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में उपचार उपरांत स्वस्थ होने पर उसके परिजनों के सुपुर्द कर घर भेजा गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि माह फरवरी 2023 में थाना हिर्री क्षेत्रांतर्गत बिल्हा मोड़ के पास एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उसके तीन बच्चों के साथ डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा लावारिस अवस्था में पाया गया था। डायल 112 के कर्मचारियों ने उक्त महिला के संबंध में रक्षा टीम को जानकारी दिया था। उक्त महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण निरीक्षक आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू. ईकाई बिलासपुर द्वारा उक्त महिला को सेंदरी स्थित राज्य मानसिक चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती किया गया तथा उक्त महिला के तीन बच्चों को ''मातृछाया सेवा भारती सदन'' के सुपुर्द किया गया। तत्पश्चात राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में उक्त महिला का उपचार किया गया। उपचार के दौरान राज्य मानसिक चिकित्सालय को जानकारी मिली कि उक्त महिला जिला बलौदाबाजार के लवन थाना क्षेत्रांतर्गत एक गांव की निवासी है। उपचार उपरांत उक्त महिला के स्वास्थ्य में सुधार आ गया। किन्तु स्वास्थ्य में सुधार आने के बाद उक्त महिला के परिवारजनों से कोई संपर्क नहीं हो पाने के कारण उक्त महिला को राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी से डिस्चार्ज नहीं किया गया था। जिसके पश्चात राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी द्वारा उक्त महिला के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर को जानकारी दी गई। उक्त मामले की जानकारी जैसे ही जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर अशोक कुमार साहू के संज्ञान में आई तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए अविलंब उक्त महिला को वापस उसके परिजनों को सुपुर्द करने तथा उसे नियमानुसार वापस उसके घर भेजने की कार्यवाही हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर राकेश सिंह सोरी को निर्देशित किया। जिसके उपरांत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर ने सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार सुश्री मयूरा गुप्ता से समन्वय स्थापित कर थाना लवन के पैरालीगल वालिंटियर के माध्यम से उक्त महिला के परिजनों से संपर्क स्थापित किया। जिसके बाद दिनांक 14 अगस्त को उक्त महिला के परिजन उसे वापस अपने घर ले जाने हेतु राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी पहुंचे। तब राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के अधीक्षक डॉ0 बी0 आर0 नंदा ने नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के पैरालीगल वालिंटियर हरीश कुमार बरगाह की उपस्थिति में उक्त महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर उसे वापस उसके घर भेज दिया। उक्त महिला के तीन बच्चों को वापस उनके घर भेजने की कार्यवाही नियमानुसार बाल कल्याण समिति बिलासपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के माध्यम से की गई है।

## तिरंगा रैली में शामिल हुई जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा

**दंतेवाड़ा ( भारत भास्कर )** आज सुबह तिरंगे के सम्मान में पुलिस लाइन कारली से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा हाथ में तिरंगा लिए रैली में शामिल हुई... यात्रा पुलिस लाईन कारली से निकली गई, जहां तुलिका-सुलोचना समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया...तिरंगा रैली बस स्टैंड, स्टेट बैंक चौक, दुर्गा चौक, हाई स्कूल से वापस कारली में समाप्त हुई 7

तिरंगा यात्रा में शामिल सीआरपीएफ व जिला पुलिस के जवान हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय के नारे लगाए... तुलिका कर्मा ने कहा कि आजादी के महापर्व की सभी जिले वासियों को बधाई...हमारे सभी शहीदों को नमन, जिन्होने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी 7

रैली में जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, शहर अध्यक्ष इंदिरा शर्मा, नपा अध्यक्ष पायल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में जवान व आम नागरिक शामिल हुए।

## भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा कार्यसमिति बैठक संपन्न

**दंतेवाड़ा ( भारत भास्कर )** कुआकोंडा मंडल भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा ग्राम पंचायत गंजेनार पाण्डूपारा में कुआकोंडा मंडल कार्यसमिति की बैठक हुआ संपन्न इस बैठक में आने वाले समय में हर एक बूथ स्तर पर जाकर क्षेत्र का विकास व मोर्चा को मजबूत कर भारतीय जनता पार्टी संगठन के लिए काम करने का निर्णय लिया गया इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुन्नालाल मरकाम कुआकोंडा अनुसूचित जनजाति मोर्चा कुआकोंडा मंडल अध्यक्ष राजूराम कुंजाम जनजाति गौरव समाज युवा प्रभाग के जिला अध्यक्ष कामो कुंजाम हरीश मरकाम मंडल कार्यसमिति के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया

**जगदलपुर।** देश भर सहित जिले में भी मेरी माटी मेरा देश अभियान का क्रियान्वयन हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया है। उनकी स्मृति में अमृत सरोवरों के निकट ग्राम पंचायतों में शिलाफलकम (स्मारक पट्टिका) स्थापित किये जा रहे हैं। साथ ही वृक्षारोपण भी किया जा रहा है।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत, मातृभूमि की स्वतंत्रता और उनके गौरव की रक्षा के लिए बलिदान हुए वीरों को नमन करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव के तहत जगदलपुर जनपद के ग्राम पंचायत बुरुंदवाडा सेमरा में नवनिर्मित तालाब के पास 75 पौधों का रोपण,ग्रामीण जनप्रतिनिधियों और सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने शपथ भी लिया गया। साथ ही शहीदो और स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर जनपद सीईओ श्री बिरेन्द्र बहादुर, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा पवन सिंह, कार्यक्रम अधिकारी केशव सरपंच, उप सरपंच, पंचगण, ग्रामीण जनता तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि मेरी माटी मेरा देश अभियान 9 अगस्त से शुरू हो चुके है जिसके तहत ग्राम स्तर से मिट्टी एकत्र कर ब्लॉक, नगर पालिका/ निगम और राज्य स्तर होते हुए कर्तव्य पथ नई दिल्ली में होने मुख्य कार्यक्रम में उपयोग किया जाएगा।

## महामहिम राज्यपाल के द्वारा गोद लिए टीबी मरीजों को पोषण आहार पैकेट का हुआ वितरण

**दंतेवाड़ा ( भारत भास्कर )14** अगस्त 2023। जिले के 51 टीबी मरीजों को महामहिम राज्यपाल के स्वेच्छानुदान मद वित्तीय वर्ष 2023-24के तहत निश्चय मित्र योजना के अंतर्गत 51टीबी मरीजों को निश्चय पोषण आहार वितरित के लिए गोद लिया गया है। इसी क्रम में आज इसी क्रम में आज कलेक्टर एवं अध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी विनीत नंदनवार के मार्गदर्शन में रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा दंतेवाड़ा के माध्यम से टीवी मरीजों को पोषण आहार पैकेट का वितरण किया गया। साथ ही अन्य लोगों को टीबी मुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे आकर निश्चय मित्र बनकर टीबी मरीजों की सेवा करने की अपील की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सचिव इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी डॉक्टर संजय बसाक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस मंडल नोडल अधिकारी राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम डॉक्टर देश दीपक कार्यक्रम प्रबंधक डॉ राजेश राय जिला संगठक रेड क्रॉस सोसाइटी अंकित सिंह टीबी कार्यक्रम से जिला समन्वयक पी रवि कुमार मेक प्रकाश शेरपा अनिल सिंह मौजूद थे।

### पर्यटन मण्डल अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव और कलेक्टर भी हुए शामिल

# स्वतंत्रता सेनानियों की याद में हजारों लोगों ने उत्साह से लगाई दौड़

**भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :-** देश की आजादी में वीर सपूतों के योगदान और उनकी शहादत की याद में आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता सेनानियों की याद में हजारों लोगों ने दौड़ लगाई। जनप्रतिनिधि, अधिकारीग, खिलाड़ी, एनएसएस के युवा, महाविद्यालयीन एवं स्कूली विद्यार्थी एवं नागरिकगण सहित सभी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में उत्साह के साथ शामिल हुए। पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव एवं कलेक्टर संजीव कुमार झा ने स्वतंत्रता दौड़ को हरी झंडी दिखाई। कलेक्टर श्री झा ने भी दौड़ लगाते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। यह दौड़ नेहरू चौक से प्रारंभ होकर स्वामी आत्मानंद लाल बहादुर शास्त्री विद्यालय में समाप्त हुई।

इस मौके पर देवकीनंदन सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने कहा कि देश की आजादी के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज आप सभी बच्चों को आजादी के इस इतिहास को जानना आवश्यक है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश की आजादी के लिए अहिंसात्मक आंदोलन चलाए, तो वहीं शहीद भगत सिंह ने अपनी शहादत से युवाओं को प्रेरित किया। हमारे देश में विभिन्न जाति, सम्प्रदाय एवं संस्कृति के लोग आपस में मिलजुलकर रहते हैं। आशा है कि आप सभी युवा देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने में अपना योगदान देंगे।

कलेक्टर श्री झा ने कहा कि आज स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आयोजित इस स्वतंत्रता दौड़ में सभी आयु वर्ग, समाज के सभी वर्ग के लोग अपनी सहभागिता निभाई है। इसी प्रकार जब राष्ट्र निर्माण की बात हो तो सभी लोग आपसी मतभेदों को भूलाकर आगे आएं और राष्ट्र के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ही सर्वोपरि है। युवा पीढ़ी आजादी के महत्व को समझे और आपसी भेदभाव और वैमनस्यता की भावना को भूलकर देश की प्रगति में अपनी भागीदारी निभाएं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के महासचिव मनीष श्रीवास्तव, नगर निगम सभापति शेख नजीरूद्दीन, एडीएम आर.ए. कुरूवंशी, जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

# कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल

> आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

### अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

# गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

### हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

### बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

### सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती है। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

### भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

### अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

### मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

# पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

> बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

### कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

### साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स्' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

### थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

### साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

### क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

# क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कहीं भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

# 5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

### नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

### नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

## ब्रीफ न्यूज

### बम की सूचना के बाद पेरिस पुलिस ने एफिल टॉवर को कराया खाली

पेरिस, एजेंसी।

शनिवार को बम की सूचना मिलने के बाद खाली करा लिया गया। इसकी तीन मंजिलों को खाली कराया गया है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटक स्थलों में से एक है। पिछले साल इसने 6.2 मिलियन यात्रियों को आकर्षित किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एफिल टॉवर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसे खाली करा लिया गया है। साथ ही इसे शनिवार तक आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है। फ्रांस 24 की खबर के मुताबिक, एफिल टॉवर का संचालन करने वाली संस्थान एसईटीई ने कहा कि बम निरोधक विशेषज्ञों के साथ-साथ पुलिस भी इलाके की तलाशी ले रही है, जिसमें एक मंजिल पर स्थित एक रेस्तरां भी शामिल है। एसईटीई की एक महिला प्रवक्ता ने कहा, इस तरह की स्थिति में यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इस ऐतिहासिक टॉवर पर निर्माण कार्य जनवरी 1887 में शुरू हुआ था और 31 मार्च, 1889 को समाप्त हुआ था। 1889 के विश्व मेले के दौरान इसे देखने के लिए यहां दो मिलियन (20 लाख) यात्री पहुंचे थे।

### तालाबंदी करने पहुंचे किसानों ने प्राधिकरण का किया घेराव

नोएडा। भारतीय किसान परिषद के तत्वावधान में प्राधिकरण पर 56 दिनों से धरने पर बैठे किसानों का धैर्य जवाब दे गया। शुक्रवार को बड़ी संख्या में किसानों ने प्राधिकरण की घेराबंदी की। किसानों ने प्राधिकरण कार्यालय के चक्कर लगाए और मुख्य गेट पर तालाबंदी के लिए पहुंच गए। इस दौरान पुलिस और किसानों में खींच-तान भी हुई। बृहस्पतिवार को प्राधिकरण कार्यालय की घेराबंदी का निर्णय धरना स्थल पर लिया गया। सुखबीर खलीफा ने कहा कि धरने पर बैठे 56 दिन हो गए। प्राधिकरण के कान पर जूं नहीं रेंग रही है।

# अमेरिका के जंगल में लगी आग अब तक 80 लोगों की मौत

वशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के हवाई द्वीप में जंगल में लगी आग से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।यहां विनाशकारी जंगल की आग से मरने वालों की संख्या 80 हो गई है।वहीं, अधिकारियों का कहना है कि अभी सैक ैं लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।अधिकारियों के मुताबिक, कई इलाकों में अब भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है, ऐसे में मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खोजी टीमें अभी लापता लोगों को ढूंढने की कोशिश कर रहीं हैं।रिपोर्ट के

अनुसार, जंगल में लगी भीषण आग के कारण लाहैना शहर पूरी तरह तबाह हो चुका है।शहर की 1,000 से ज्यादा इमारतें जलकर खाक हो चुकी हैं।सीएनएन से बात करते हुए हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि सभी मौत खुले में हुई हैं।आग के खौफ के कारण लोग पहले ही अपने घरों से निकल बाहर आ चुके थे।उन्होंने बताया कि अधिकांश मौतें आग में झुलसने के कारण हुई हैं।

### बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

उन्होंने कहा कि अभी मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि मौतों का आंकड़ा कहां तक जा सकता है।उन्होंने इस घटना को राज्य के इतिहास में सबसे खराब प्राकृतिक आपदाओं में से एक बताया।उन्होंने बताया कि इस शहर को शायद ही पहले किसी ने इस हाल में देखा होगा।आग ने लाहैना के अधिकांश हिस्से को सुलगते खंडहरों में बदल दिया है।

### अब तक की सबसे बड़ी आपदा

बता दें कि राज्य में इससे पहले 1961 में आई आपदा में 61 लोगों की मौत हुई थी, जिसे मौतों के मामले में जंगल की आग ने अब पीछे छोड़ दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, गवर्नर ने बताया, मैंने आज सुबह एक व्यापक समीक्षा बैठक की, इस दौरान हमने अधिकारियों को डिटेल में यह पता लगाने का आदेश दिया किया वास्तव में कब क्या हुआ और कैसे हुआ गौरतलब है कि भीषण आग को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को ही इसे आपदा घोषित कर दिया था।साथ ही राहत और बचाव कार्यों के लिए फंड जारी किया था।

## जहाज की जल आपूर्ति में खतरनाक बैक्टीरिया, हटाए गए प्रवासी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन पर दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में एक बड़े जहां में शरण चाहने वालों को रखने की योजना को लेकर दबाव बढ़ गया है। दरअसल, कुछ ही दिनों पहले प्रवासियों के पहले समूह को खतरनाक बैक्टीरिया के प्रकोप के कारण उन्हें वहां से हटाना पड़ा था।

मानवाधिकार समूहों ने दीर्घकालिक आवास के रूप में बिब्बी स्टॉकहोम (डोरसेट के पोर्टलैंड में डॉक किया गया तैरता जहाज) की उपयुक्तता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद इस सप्ताह की शुरुआत में प्रवासियों के लिए खोल दिया गया था।

हालांकि, सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि करदाताओं द्वारा वित्त पोषित होटल के बढ़ते बिलों को आवास देने के लिए उनकी योजनाओं का एक बड़ा हिस्सा है, जबकि उनके शरण के दावों पर कार्रवाई की जा रही है। लेकिन शुक्रवार को यह सामने आया कि पानी की आपूर्ति में लिजियोनेरेस रोग (एक प्रकार का निमोनिया) की वजह बनने वाला बैक्टीरिया पाया गया और सभी 39 प्रवासियों को वैकल्पिक आवास पर ले जाना पड़ा। अब्रिटेन के गृहमंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, बिब्बि स्टॉकहोम में रह रहे सभी शरण चाहने वालों (प्रवासियों) का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनको एहतियात के तौर पर (जहाज से) उतार दिया गया है और उन्हें वैकल्पिक आवास में ले जाया गया है। प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्रालय और हमारे कॉन्ट्रैक्टर्स डोरसेट काउंसिल की पर्यावरणीय स्वास्थ्य टीम, ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) और डोरसेट स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के सभी प्रोटोकॉल और सलाह का पालन कर रहे हैं। उनके साथ हम मिलकर काम कर रहे हैं। ब्रेवरमैन की कंजरवेटिव पार्टी सहित कई लोगों ने इसकी आलोचना की है और कुछ लोगों ने इसे तमाशा करार दिया है। टोरी सांसद और पूर्व मंत्री टिम हॉटन ने द डेली टेलीग्राफ से कहा, यह बहुत परेशान करने वाला है।

## जंग के बीच जेलेंस्की ने सारे सैन्य अधिकारियों को नौकरी से निकाला

ब्रिटेन, एजेंसी।

जंग के बीच किसी देश का अपने यहां के सैन्य अधिकारियों को हटाने के मामले बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। अगर ऐसा होता है, तो इसके पीछे कोई ठोस वजह जरूर होती है। ऐसा ही कुछ यूक्रेन में देखने को मिला है, जहां राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने अपने सारे सैन्य अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया।

समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए देश के हर क्षेत्र में सैन्य भर्ती करने वाले अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय भ्रष्टाचार करना देशद्रोह के बराबर है। यूक्रेन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पसरा हुआ है। युद्ध से पहले भी लोगों को भ्रष्टाचार जैसी समस्या से जूझना पड़ता था। इस बार ये सेना में भी देखने को मिल रहा है।

दरअसल, जेलेंस्की ने सीनियर सैन्य अधिकारियों के साथ एक

बैठक की। इसके बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम सभी स्थानीय मिलिट्री आयुक्तों को हटा रहे हैं। इस सिस्टम को उन लोगों को चलाना चाहिए, जिन्हें मालूम है कि युद्ध क्या है और युद्ध के समय संशयवाद और रिश्वतखोरी देशद्रोह क्यों मानी जाती है। यूक्रेन रूस के साथ पिछले साल फरवरी से ही युद्ध लड़ रहा है।

रूस के साथ चल रहे युद्ध में लड़ने के लिए यूक्रेन के अलग-अलग हिस्सों से युवाओं की भर्ती की जा रही है। जिन सैन्य अधिकारियों को नौकरी से निकाला गया है, उनका काम अलग-अलग क्षेत्रों से यूक्रेन की सेना के लिए युवाओं को नियुक्त करना था। पश्चिमी मुल्कों और यूरोपियन यूनियन जैसे संगठनों की तरफ से लगातार मांग की जा रही थी कि यूक्रेन को अपने यहां होने वाले भ्रष्टाचार पर रोक लगानी चाहिए।

यूक्रेन सरकार की ओर से सैन्य अधिकारियों को नौकरी से निकालना इस कड़ी में एक शुरुआत भर है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि जिस तरह से सैन्य अधिकारियों ने नियुक्ति में भ्रष्टाचार किया है, वो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इसकी वजह से देश के संस्थानों की साख पर असर पड़ा है। अब सेना प्रमुख सैन्य नियुक्त प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अधिकारी चुनेंगे।

## जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आएंगे ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज

केनबरा, एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के भारत दौरे की पुष्टि हो गई है। वे नौ से 10 सितंबर तक नई दिल्ली में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। ऑस्ट्रेलिया की सरकार की ओर से बताया गया कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा उनके तीन देशों के दौरे का हिस्सा होगी। भारत के अलावा अल्बानीज इंडोनेशिया और फिलीपीन भी जाएंगे। कहा गया कि जी-20 वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिए दुनिया का प्रमुख मंच है। इसमें शामिल होने वाले नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत, टिकाऊ और लचीले

विकास की ओर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ओर से जारी बयान में पीएम अल्बानीज के हवाले से कहा गया कि यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि ऑस्ट्रेलिया साझा चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए जी20 जैसे बहुपक्षीय आर्थिक मंचों पर बढ़चढ़ कर अपनी बात रखता है। हम सभी अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर काम करने में आगे रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने विकास और समृद्धि, स्थिरता और संप्रभुता और स्थायी शांति के लिए सम्मान बढ़ाने के लिए इंडो-पैसिफिक में निवेश किया है और इसके लिए प्रतिबद्ध है।

जी-20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच है। इसके सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 फीसदी, वैश्विक व्यापार का 75 फीसदी से अधिक तथा वैश्विक जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी-20 समूह में भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

### दुर्गाकुंड मंदिर में मोबाइल, कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगा प्रतिबंध

वाराणसी। के दुर्गाकुंड स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धालु अब मोबाइल, कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर नहीं जा सकेंगे। मंदिर परिवार की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों के हित और सुरक्षा को ध्यान में रखकर फैसला हुआ है। दुर्गाकुंड स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धालु अब मोबाइल, कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर नहीं जा सकेंगे। शुक्रवार को मंदिर परिवार की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया। महंत पं. राजनाथ दुबे ने बताया कि श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों के हित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में मोबाइल फोन, कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि ले जाने पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया जा रहा है। मंदिर प्रशासन की ओर से निशुल्क लॉकर की व्यवस्था की गई है। इस दौरान महंत पं. राजनाथ दुबे, पं. कौशलपति द्विवेदी, पं. बेचन त्रिपाठी, पं. केवलकृष्ण द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

## अनवर-उल-हक होंगे पाकिस्तान के 8वें कार्यवाहक प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान में जारी सियासी उथल-पुथल के बीच शनिवार (12 अगस्त) को अनवर-उल-हक कक्कर को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री चुना गया। इससे पहले निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विपक्ष के निवर्तमान नेता राजा रियाज के बीच घंटों मंथन चला, जिसके बाद अनवर-उल-हक के नाम पर सहमति बनी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पीएम शहबाज और नेशनल असेंबली (एनए) में निवर्तमान विपक्षी नेता राजा रियाज ने अनवर-उल हक को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करने के संबंध में राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को सलाह भेजी है।

रिपोर्ट के अनुसार, पीएमओ की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बलूचिस्तान के सांसद सीनेटर अनवर-उल-हक कक्कर को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में चुना

गया है।रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार (12 अगस्त) को ही उनके शपथ लेने की संभावना है। बता दें कि 9 अगस्त को संसद के भंग होने के साथ ही शहबाज शरीफ का कार्यकाल भी खत्म हो गया था।ऐसे में शनिवार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के चुने जाने की आखिरी तारीख थी।इससे पहले शहबाज शरीफ और राजा रियाज के बीच कार्यवाहक प्रधानमंत्री तय करने को लेकर कई बैठकों का दौर चला।उधर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पत्र लिखकर जल्द से जल्द नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त करने को कहा था, जिस पर शहबाज शरीफ ने थोंी नाराजगी भी दिखाई थी।

### शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति के पत्र पर दी थी प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि शुक्रवार को इस्लामाबाद में मीडिया से बातचीत के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा था कि शनिवार तक नाम फाइनल हो जाएगा।उन्होंने कहा था कि नाम को लेकर गठबंधन दलों के नेताओं से भी चर्चा की जाएगी और उन्हें विश्वास में लिया जाएगा।राष्ट्रपति के पत्र का जिक्र करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा था कि राष्ट्रपति इतनी जल्दी में क्यों हैं? शायद उन्होंने संविधान नहीं पढ़ा होगा।

## चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर क्यों हमलावर है अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी।

इन दिनों दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध छिड़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा जारी किया गया एक कार्यकारी आदेश इसकी वजह है। अमेरिका ने यह कदम चीनी प्रौद्योगिकी में अमेरिकी निवेश को प्रतिबंधित करने के लिए उठाया है। वहीं, दूसरी ओर राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन की अर्थव्यवस्था की तुलना एक ऐसे टाइम बम से कर दी है जो कभी भी फट सकता है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब दोनों देशों के आर्थिक रिश्ते खराब हुए हैं। बाइडन प्रशासन के सत्ता में आने के बाद कई फैसलों ने अमेरिका-चीन को आमने-सामने लाने का काम किया है। इस बीच जानते हैं कि आखिर अमेरिका-चीन के बीच आर्थिक मोर्चे पर क्या हो रहा है? नई आर्थिक भिड़ंत की वजह क्या है? अमेरिका के फैसले पर चीन का क्या रुख है? आदेश का असर क्या हो सकता है? बाइडन ने चीनी

अर्थव्यवस्था को लेकर क्या कहा है? आइए जानते हैं...

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए चीनी प्रौद्योगिकी में अमेरिकी निवेश को प्रतिबंधित करने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित कुछ संवेदनशील हाई-टेक क्षेत्रों पर केंद्रित है। दरअसल, बाइडन प्रशासन हाल के महीनों में सैन्य, आर्थिक और तकनीकी मोर्चों पर चीन के खिलाफ अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। उन्नत तकनीकों तक चीन की पहुंच को रोकने के लिए अमेरिका द्वारा उठाया गया कदम भी इसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।

इस कार्यकारी आदेश का उद्देश्य चीन को अपनी घरेलू क्षमताएं बनाने में मदद करने से अमेरिकी फंड को रोकना है। इसके तहत, अमेरिकी ट्रेजरी को सेमीकंडक्टर्स और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में कुछ अमेरिकी निवेशों को रोकने का निर्देश दिया गया है। आदेश में एक आउटबाउंड निवेश समीक्षा तंत्र बनाने का भी उल्लेख किया गया है।

इसमें चीन, हांगकांग और मकाऊ को कंट्रीज ऑफ कंसर्न के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि भविष्य में अन्य देशों को भी जोड़ा जा सकता है। नियम भविष्य के निवेश पर लागू होंगे और अधिकारियों का कहना है कि लक्ष्य उन क्षेत्रों में निवेश को विनियमित करना है जो चीन को सैन्य और खुफिया लाभ दे सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन के हालिया फैसले पर चीन ने भी प्रक्रिया दी है। अमेरिका में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि व्हाइट हाउस ने योजना के बारे में चीन की बार-बार गहरी चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया है। इसके साथ ही दूतावास ने चेतावनी दी कि इससे चीन में कारोबार करने वाली 70,000 से अधिक अमेरिकी कंपनियां प्रभावित होंगी, जिससे चीनी और अमेरिकी दोनों व्यवसायों को नुकसान होगा।

### सट्टे के ठिकाने पर छापा मारने गए चार पुलिसकर्मियों को पीटा

नई दिल्ली। समयपुर बादली में बृहस्पतिवार रात सट्टेबाज दो भाइयों के ठिकाने पर छापा मारने गई स्पेशल स्टाफ की टीम पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। लाठी, डंडे और रॉड से पिटाई कर चार पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया गया। एक हवलदार ने हवा में गोली चलाकर हमलावरों को तितर-बितर करने की कोशिश की, लेकिन लोगों को उग्र होता देखकर सभी पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। समयपुर बादली थाना पुलिस ने घायल पुलिसकर्मियों का इलाज करवाने के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपी भाइयों सहित आधा दर्जन लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, स्पेशल स्टाफ को बृहस्पतिवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि राजा विहार में दो भाई अवैध शराब और सट्टे का काम करते हैं। इसके बाद एएसआई विजेंद्र, हवलदार सतेंद्र, प्रदीप और रॉबिन की टीम बिना वर्दी के राजा विहार इलाके में पहुंची। एक पार्क में कुछ लोग शराब पी रहे थे और सट्टा खेल रहे थे। सतेंद्र ने पहचान पत्र दिखाया। इसी दौरान भोला व उसका भाई मांगे हवलदार के पास पहुंचे और पुलिसकर्मियों को धमकाने लगे।

## खतरनाक आतंकी समूह एलएसएल को पहुंचाए जा रहे नाटो-कैलिबर हथियार

वाशिंगटन, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र ने एक चिंताजनक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उसने बताया कि तालिबान और अल-कायदा से जुड़े समूहों जैसे तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान द्वारा नाटो-कैलिबर हथियारों को आईएसआईएल-के तक पहुंचाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने 2021 में तालिबान के अधिग्रहण के बाद अफगानिस्तान के भीतर और पड़ोसी देशों में सैन्य उपकरणों के प्रसार पर चिंता व्यक्त की है।

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को लेकर यूएन महासचिव की 17वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश अफगानिस्तान, मध्य पूर्व और अफ्रीका में हथियारों के प्रसार, विशेष रूप से हथियारों की पहुंच को

लेकर चिंतित हैं। आईएसआईएल (दाएश) के क्षेत्रीय सहयोगियों ने छोटे हथियारों और हल्के हथियारों के साथ-साथ मानव रहित विमान प्रणालियों और तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों को उस तक पहुंचाने में वृद्धि की है।

सदस्य देशों ने बताया कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन-कैलिबर हथियार जो आमतौर पर पूर्व अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों से जुड़े होते हैं, उन हथियारों को तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान, ईस्टर्न तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, टीआईपी जैसे तालिबान और अल-कायदा से जुड़े समूहों द्वारा आईएसआईएल-के में स्थानांतरित किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सदस्य देशों ने आईएसआईएल-के को अफगानिस्तान और व्यापक क्षेत्र में सबसे गंभीर आतंकवादी खतरा माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईएसआईएल-के ने अफगानिस्तान के अंदर अपनी परिचालन क्षमताओं में वृद्धि की है, जिसमें लड़ाकों और परिवार के सदस्यों की संख्या 4,000 से 6,000 होने का अनुमान है।

# भारत के लिए चिंता का सबब बना चीनी वॉरशिप, श्रीलंका पहुंचा ड्रैगन का जहाज

बींजिग, एजेंसी।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का वॉरशिप 10 अगस्त को श्रीलंका पहुंचा है।श्रीलंकाई नेवी ने जानकारी दी कि चीनी वॉरशिप शनिवार (12 अगस्त) तक कोलंबो पोर्ट पर खड़ा रहेगा।इससे पहले पिछले साल भी चीन का एक जासूसी जहाज श्रीलंका के पोर्ट पर रुका था।हाई यांग 24 हाओ नाम का वॉरशिप एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से बना हुआ है।

के रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी वॉरशिप पर कुल 138 क्रू मेंबर है।लंबाई 129 मीटर है।इस जहाज के कैप्टन जिन शिन है।मीडिया

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के विरोध के कारण श्रीलंका ने जहाज को आने से रोक रखा था।हालांकि, एक साल के बाद फिर से कोई चीनी जहाज श्रीलंका के पोर्ट पर वापस लाया गया।

### पिछले साल भी पहुंचा था चीनी जहाज

चीनी जहाज के श्रीलंका में होने पर भारत ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि वह अपनी सुरक्षा हितों पर असर डालने वाले किसी भी घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नजर रखता है। वो सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय इस्तेमाल करेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया से अपनी साप्ताहिक बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''मैंने वहां एक चीनी जहाज के होने की खबरें देखी हैं। आपको बता दें कि पिछले साल जब चीन का युआन वैंग 5 जहाज श्रीलंका पहुंचा था तो भारत ने कड़ा विरोध जाहिर किया था।

### श्रीलंका को भी बनाया कर्ज का शिकार

चीन के हाई यांग 24 हाओ नाम का वॉरशिप में सर्विलांस सिस्टम मौजूद है। भारत को चिंता इस बात की है कि कही चीनी जहाज भारतीय सुरक्षा जानकारी ट्रैक न कर लें। वहीं चीन कई देशों की तरह श्रीलंका को भी अपने कर्ज का शिकार बना चुका है। इसी कर्ज के दम पर चीन ने साल 2017 में साउथ में स्थित हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले चुका है।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की हार्दिक बधाई...

वनों की जब रखवाली होगी तो
पृथ्वी पर हरियाली होगी।

वृक्षों का सम्मान करेंगे, देश
को ऊर्जावान करेंगे।

अगर वनों का होगा क्षरण तो
कैसे बचेगा पर्यावरण।

वृक्ष हैं प्रकृति का वरदान,
वनोन्मूलन रोके इंसान।

-: विनीत :-

समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी
वन विभाग रायगढ़ वनमंडल

MSP STEEL AND POWER LTD की ओर
से 15 अगस्त की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

# पृथ्वी शॉ ने वनडे कप में फिर लगाई सेंचुरी

## 244 रन की रिकॉर्ड पारी के बाद लगातार दूसरा शतक

**चेस्टर-ले-स्ट्रीट, एजेंसी**

भारत के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने रविवार को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ वन-डे कप 2023 मैच के दौरान शानदार शतक लगाया। यह शतक शॉ के लगातार दूसरे गेम में आया है। इससे पहले पृथ्वी शॉ ने समरसेट के खिलाफ 244 रन की रिकॉर्ड पारी खेली थी। नॉर्थम्पटनशायर के सलामी बल्लेबाज ने 68 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और लगातार तीन गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों के साथ शानदार रूप से मैच फिनिश किया। शॉ ने 76 गेंदों में नाबाद 125 रन बनाए। शॉ की पारी की बदौलत 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नॉर्थम्पटनशायर ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। शॉ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर है।



### पारी के दौरान 15 चौके और 7 छक्के लगाए

शॉ ने 76 गेंदों में नाबाद 125 रन बनाए। इसमें 15 चौके और सात सिक्स शामिल थे। उन्होंने 21वें ओवर में लेग स्पिनर स्कॉट बोर्थविक की लगातार बॉल पर दो छक्के और तीन चौकों की मदद से 24 रन बनाए। इससे मैच में मोमेंटम नॉर्थम्पटनशायर की तरफ शिफ्ट हो गया। डरहम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम 43.2 ओवर में 198 रन पर ऑलआउट हो गई। नॉर्थम्पटनशायर के इंग्लिश ऑलराउंडर ल्यूक प्रॉक्टर ने 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थम्पटनशायर ने 25.4 ओवर में ही 4 विकेट खो कर 204 रन बनाए।

### समरसेट के खिलाफ खेली थी 244 रन की पारी

23 साल के शॉ ने बुधवार को समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 28 चौके और 11 छक्के लगाए थे। इसी के साथ शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट ए मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने थे। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी।

### शॉ टूर्नामेंट का टॉप स्कोरर

दाएं हाथ के बल्लेबाज शॉ वर्तमान में वन-डे कप 2023 में चार मैचों में 143 की शानदार औसत के साथ 429 रन बना कर टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर भारत के ही चेतेश्वर पुजारा हैं, जिनके नाम पांच पारियों में 329 रन है।

### शॉ को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला

2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्निक कमजोर नजर आई। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके। शॉ को इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड की मौजूदगी में उन्हें प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बनाया गया।

# CPL में पहली बार रेड कार्ड का इस्तेमाल

**मुंबई, एजेंसी**

कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) में पहली बार स्लो ओवर रेट के लिए रेड कार्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। CPL के ऑपरेशंस डायरेक्टर माइकल हॉल ने बयान में कहा, हमें दुख है कि साल दर साल टी-20 मैचों की समयसीमा बढ़ती जा रही है। हम इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहते हैं। ऐसे में अब रेड कार्ड का इस्तेमाल किया जाएगा, हमने टूर्नामेंट से पहले फ्रेंचाइजी और हमारे मैच अधिकारियों दोनों को इस बारे में आगाह कर दिया है। CPL मेंस और विमेंस दोनों लीग में रेड कार्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। छक्के ने तय समय पर अपने कोटे के 20 ओवर न पूरा करने यानी स्लो-ओवर रेट के लिए पेनल्टी का ऐलान किया है। अगर बॉलिंग कर रही टीम 20वें यानी कि आखिरी ओवर की शुरुआत से पहले स्लो-ओवर रेट की गुनहगार पाई गई तो उसे अपना एक खिलाड़ी मैदान से बाहर भेजना होगा। कोई एक खिलाड़ी जिसे कप्तान चुनेगा वो मैदान से बाहर चला जाएगा। इसके साथ ही छह खिलाड़ी 30 यार्ड घेरे के अंदर भी होंगे।

### स्लो-ओवर रेट के लिए पेनल्टी



अगर 18वें ओवर के शुरू होने से पहले निर्धारित समय में टीम का ओवर रेट कम है तो उसके एक खिलाड़ी को 30 यार्ड सर्कल के अंदर आना होगा। मतलब 4 की जगह कुल 5 खिलाड़ी सर्कल के अंदर होंगे। अगर टीम 19वें ओवर के पहले ओवर रेट में पीछे है तो उसके दो खिलाड़ियों को 30 यार्ड सर्कल के अंदर आना होगा। मतलब फिर 4 नहीं 6 खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल में होंगे।टीम 20वें यानी आखिरी ओवर के शुरू होने से पहले ओवर रेट से पीछे है तो उसके किसी एक खिलाड़ी को फील्ड से बाहर जाना होगा। खिलाड़ी का निर्णय कप्तान करेगा, और इसके साथ ही उसके छह खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर भी होंगे।

ऐसा नहीं है कि CPL में नियम सिर्फ फील्डिंग कर रही टीम को लेकर ही बने हैं। खेल को तय समय पर कराने की जिम्मेदारी बल्लेबाजी करने वाली टीमों पर भी होगी। अगर बैटिंग कर रही टीम की ओर से देर की जा रही हो तो, इसके लिए अंपायर की ओर से उन्हें पहली और फाइनल वॉर्निंग दी जाएगी, जिसके बाद उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जाएगा। नियम के अनुसार, टी-20 क्रिकेट में एक इनिंग 85 मिनट की होती है। 17वां ओवर 72 मिनट 15 सेकेंड में, 18वां ओवर 76 मिनट 30 सेकेंड में, 19वां ओवर 80 मिनट 45 सेकेंड में और 20वां ओवर 85 मिनट तक खत्म हो जाना चाहिए। छक्के अधिकारी ने कहा, हम अपने नए सीजन पर नजर रखेंगे और कोशिश करेंगे कि मैच की हर इनिंग अपने तय समय में खत्म हो।

### 17 अगस्त से शुरू होगा मेंस CPL

मेंस CPL का नया सीजन 17 अगस्त को ग्रोस आइलेट में जमैका तालावास और सेंट लूसिया किंग्स के बीच मैच के साथ शुरू होगा। वहीं विमेंस CPL 31 अगस्त को बारबाडोस में बारबाडोस रॉयल्स और गुयाना अमेजॉन वॉरियर्स के बीच मैच के साथ शुरू होगा।

# 31 साल बाद टीम इंडिया फिर दीवाली के दिन खेलेगी मैच

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आईसीसी ने हाल ही में वर्ल्ड कप 2023 का ताजा शेड्यूल जारी किया है। नए शेड्यूल में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले के साथ कुल 9 मैचों की तारीख में बदलाव हुआ है। नए शेड्यूल में भारत के दो मैचों को रिशेड्यूल किया गया है। बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला पहले 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना था, मगर सुरक्षा एजेंसियों के कहने पर मैच को एक दिन पहले यानी कि 14 अक्टूबर को कराने का फैसला हुआ है। दरअसल, 15 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रहे हैं और गुजरात में इस त्योहार को बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है। इसकारण मैच को एक दिन पहले आयोजित करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा भारत का नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला एक दिन बाद के लिए शिफ्ट किया गया है। पहले भारत बनाम नीदरलैंड्स मैच 11 नवंबर को खेला जाना था, मगर नए शेड्यूल के अनुसार अब यह मैच 12 नवंबर को आयोजित होगा। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है, मगर गौर करने वाली बात यह है कि इन दिन दिवाली का बड़ा त्यौहार है। आमतौर पर भारत दिवाली के शुभ दिन पर कोई क्रिकेट मैच नहीं खेलता, मगर वर्ल्ड कप होने की वजह से टीम इंडिया को इन खास दिन पर भी फैंस का मनोरंजन करना होगा। टीम इंडिया 31 साल के लंबे इंतजार के बाद दिवाली के दिन मैच खेलेगी।

दिवाली के खास पर्व पर भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली बार 1987 वर्ल्ड कप के दौरान मैच खेला था। इस मुकाबले में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी थी और कपिल देव की अगुवाई में भारत ने कंगारुओं को 56 रनों से धूल चटाई थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ने सुनील गावस्कर, नवजोत सिंह सिद्धू, दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन के अर्धशतकों की मदद से बोर्ड पर 289 रन लगाए थे। इस स्कोर का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 233 रनों पर सिमट गया था। मनिंदर सिंह और अजहरुद्दीन ने इस दौरान 3-3 विकेट चटकाए थे। 1992 में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी बार दिवाली के खास पर्व पर मैच खेला था। इसमें भारत जीत दर्ज करने में कामयाब रहा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए एकमात्र वनडे में भारत ने मेजबानों को 30 रनों से धूल चटाई थी।

प्रीमियर लीग - बर्नले बनाम मैनचेस्टर सिटी - टर्फ मूर, बर्नले, ब्रिटेन में मैनचेस्टर सिटी के फिल फोडेन बर्नले के लाइल फोस्टर एक्शन में

# बाबर आजम तीनों फॉर्मेट में टॉप बैटर : कोहली

### 2019 वर्ल्ड कप में हुई थी पहली मुलाकात

**नई दिल्ली, एजेंसी**

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को तीनों फॉर्मेट में बेस्ट बताया। उन्होंने कहा, बाबर तीनों फॉर्मेट के बेस्ट बैटर्स में से एक हैं। कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में बाबर से पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। कोहली बोले, बाबर से मेरी पहली मुलाकात 2019 के वनडे वर्ल्ड कप में हुई थी। तब मैनचेस्टर में मैच के बाद हमारी बातचीत हुई थी।



### कोहली से मिलना चाहते थे बाबर

कोहली ने इंटरव्यू में बताया, मैं इमाद (वसीम) को अंडर-19 वर्ल्ड कप के दिनों से जानता हूं। उन्होंने मैनचेस्टर में मैच के बाद कहा कि बाबर मुझसे कुछ बात करना चाहते हैं। हम दोनों साथ बैठे और गेम के बारे में बात की। पहले दिन से उनके मन में मेरे लिए आदर और सम्मान नजर आया और वो आज भी बना हुआ है।

मैनचेस्टर में भारत और पाकिस्तान के बीच 2019 वनडे वर्ल्ड कप का मैच खेला गया था। रोहित शर्मा के 140 और विराट कोहली के 77 रन की बदौलत भारत ने मुकाबला 89 रन से जीता था। बाबर ने इस मैच में 48 रन बनाए थे।

कोहली ने आगे कहा, बाबर इस वक्त तीनों ही फॉर्मेट में दुनिया के बेस्ट बैटर्स में से एक हैं। इसके बावजूद उनका व्यवहार आज भी पहली मुलाकात की तरह ही है। वह बेहद कंसिस्टेंटली परफॉर्म कर रहे हैं और मैंने हमेशा ही उनकी बैटिंग को एंजॉय किया है।

### टी-20 और टेस्ट रैंकिंग में भी टॉप-4 का हिस्सा हैं बाबर

बाबर आजम वनडे बैटर्स रैंकिंग में पहले नंबर पर होने के साथ टी-20 और टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में भी टॉप-4 खिलाड़ियों का हिस्सा है। टी-20 में वह तीसरे और टेस्ट में चौथे नंबर पर हैं। वह तीनों फॉर्मेट के टॉप-4 में शामिल फिलहाल एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनसे पहले विराट कोहली भी तीनों फॉर्मेट में एक साथ टॉप-2 प्लेयर्स लिस्ट का हिस्सा रह चुके हैं। विराट तीनों ही फॉर्मेट में अलग-अलग समय पर नंबर-1 बैटर भी रहे हैं।

### 2 सितंबर को आमने-सामने होंगे बाबर और विराट

बाबर आजम पाकिस्तान वनडे टीम के कप्तान हैं। वहीं विराट कोहली फिलहाल टीम इंडिया के बेस्ट बैटर हैं। दोनों ही प्लेयर्स 2 सितंबर को आमने-सामने होंगे, तब एशिया कप के ग्रुप स्टेज में दोनों ही टीमें श्रीलंका में कैंडी शहर के ग्राउंड पर भिड़ेंगी।एशिया कप 30 अगस्त से शुरू होगा। टूर्नामेंट के 4 मैच पाकिस्तान और 9 मैच श्रीलंका में होंगे। भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेलेगा। अगर भारत-पाकिस्तान की टीमें फाइनल तक पहुंचीं तो दोनों टीमें टूर्नामेंट में 3 बार आमने-सामने हो सकती हैं।

### वर्ल्ड कप में भी इसी साल भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

एशिया कप के बाद दोनों टीमें 14 अक्टूबर को वनडे वर्ल्ड कप में भी आमने-सामने होंगी। वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू होगा, दोनों टीमों के बीच महामुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

## विश्वकप में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ईशान को शायद ही अवसर मिले

**मुम्बई, एजेंसी।**

अक्टूबर नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम में विकेटकीपर के तौर पर लोकेश राहुल का स्थान तय है। वहीं बैकअप के तौर पर अभी दो खिलाड़ी ईशान किशन और संजू सैमसन उपलब्ध हैं। अब देखना है कि इनमें से किस खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। मुख्य विकेटीपर के तौर पर राहुल की जगह पक्की है क्योंकि कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। राहुल अनुभवी होने के साथ ही किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। वहीं बैकअप के तौर पर सैमसन का दावा भारी है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं जबकि ईशान सलामी बल्लेबाज हैं और निचले क्रम पर वह काफी कम उतरे हैं। शुभमन गिल के रहते ईशान को पारी शुरु करने का अवसर नहीं मिलेगा और निचले क्रम पर उन्हें अधिक अनुभव नहीं है। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट सीरीज के अलावा ईशान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कभी भी मैच फिनिशर के रूप में खेलते हुए नहीं देखा गया है जबकि सैमसन लगातार इसी तरह की भूमिका निभाते आ रहे है। ऐसे में ईशान की जगह सैमसन की टीम में जगह बनने की संभावना अधिक नजर आ रही है।

# भारत FIH हॉकी रैंकिंग में नंबर-3 पर आया

### एक अंक की बढ़त से इंग्लैंड को पछाड़ा

**मुंबई, एजेंसी**



भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने FIH की ताजा रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। टीम 2021 के बाद पहली बार इस पोजिशन पर आई है। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एक दिन पहले ही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल अपने नाम किया है। रविवार को जारी रैंकिंग में भारत को एक पॉइंट का फायदा हुआ है। टीम इंडिया ने इंग्लिश टीम को पीछे छोड़ा है। रैंकिंग भारतीय टीम के 2771.35 अंक हो गए हैं, जबकि नंबर-2 की टीम बेल्जियम के खाते में 2917.87 अंक हैं। इस सूची के टॉप पर नीदरलैंड की टीम है। उच टीम के नाम 3095.90 अंक हैं। चेन्नई के राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार को भारत लगातार चौथी बार चैंपियन बना। भारतीय टीम ने मलेशिया को 4-3 से हराया। टीम इंडिया 5वीं बार इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेल रही थी।

### पिछली बार ओलिंपिक मेडल जीतकर टॉप-3 में पहुंची थी

टीम पिछली बार भारतीय टीम ने 2021 में टॉप-3 रैंकिंग हासिल की थी। तब टीम ने टोक्यो ओलिंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। जिसका टीम को फायदा हुआ था।

### डच टीम टेबल के टॉप पर

ताजा रैंकिंग में डच टीम टेबल के टॉप पर है। नीदरलैंड के 3095.90 अंक है। जर्मनी की टीम चौथे नंबर पर है।

# प्रोफाइल फोटो बदलने पर BCCI का ब्लू टिक हटा

## सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोर्ड ने तिरंगा लगाया

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का ब्लू टिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) से हट चुका है। दरअसल, BCCI ने 13 अगस्त को दोपहर में अपना प्रोफाइल फोटो बदला। बोर्ड ने अपने ऑफिशियल लोगो की जगह तिरंगे की फोटो लगाई। एक्स के नए नियमों के कारण प्रोफाइल फोटो बदलने पर यूजर का ब्लू टिक हट जाता है, इस कारण BCCI का भी ब्लू टिक हट गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्लू टिक किसी संस्था या शख्स के ऑफिशियल होने का सबूत रहता है। एक्स ने पिछले दिनों अपनी पॉलिसी अपडेट की थी, जिसका खामियाजा BCCI को भुगतना पड़ा।

### विमेंस और घरेलू क्रिकेट के हैंडल से भी ब्लू टिक हटा

BCCI ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर ऑफिशियल लोगो की जगह तिरंगे का फोटो लगाया। 2 दिन बाद भारत का स्वतंत्रता दिवस है, इसी को देखते हुए BCCI ने अपने मेन हैंडल के साथ विमेंस और घरेलू क्रिकेट के ऑफिशियल हैंडल का भी प्रोफाइल फोटो बदला। तीनों ही जगह BCCI की सोशल मीडिया टीम ने तिरंगे का फोटो लगाया, जिस कारण तीनों हैंडल के ब्लू टिक हट गए।

### एक्स की नई पॉलिसी के कारण टिक हटा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ने इसी साल एक अप्रैल को अपनी पॉलिसी अपडेट की। प्लेटफॉर्म ने बाद में अपना नाम बदलकर एक्स भी कर दिया। नई पॉलिसी के कारण ही प्रोफाइल फोटो बदलने पर BCCI का ब्लू टिक हट गया।

### इंस्टाग्राम, फेसबुक पर ब्लू टिक बरकरार

एक्स की नई पॉलिसी के कारण BCCI का ब्लू टिक हटा। लेकिन इंस्टाग्राम, फेसबुक, थ्रेड्स और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ह्ह्ह्ह्ह्ह् का ऑफिशियल ब्लू टिक स्टेटस अब भी बरकरार है।

### BCCI को कैसे वापस मिलेगा ब्लू टिक?

BCCI सोशल मीडिया टीम को अपने हैंडल का ब्लू टिक वापस पाने के लिए एक्स हेल्पडेस्क पर कम्प्लेन करनी होगी। कम्प्लेन मिलते ही एक्स शिकायत पर काम करेगा और सब कुछ सही होने पर 3-4 दिन बाद BCCI का ब्लू टिक भी वापस आ जाएगा।

# अरब क्लब चैंपियंस कप : अल-नासर ने पहली बार जीता खिताब

### फाइनल में अल-हिलाल को 2-1 से हराया, दोनों गोल रोनाल्डो ने किए

**अरब, एजेंसी**

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अरब की अपनी टीम अल नासर को पहली बार अरब क्लब चैंपियनशिप का खिताब दिलाया है। अल नासर ने अरब क्लब चैंपियनशिप के फाइनल में अल हिलाल को 2-1 से हराया। अल नासर के लिए, दोनों गोल रोनाल्डो ने किया। रोनाल्डो ने दो साल बाद कोई ट्रॉफी जीती है। आखिरी बार 2021 में उन्होंने इटैलियन क्लब जुवेंटस के लिए कोपा इटालिया कप जीता था। रोनाल्डो ने मैच के 74वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 की बराबरी पर कर दिया। इससे पहले अल हिलाल की ओर से मैच के 51वें मिनट में माइकल ने गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई थी।

### अल नासर को खेलना पड़ा 9 खिलाड़ियों के साथ

अल नासर के दो खिलाड़ियों को रेड कार्ड मिला। जिस कारण टीम को आखिरी समय में 9 खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। मैच के 71वें अब्दुलेलाह एल अमरी को रेड कार्ड दिखाया गया। वहीं 78वें मिनट में नावाद बुशाल को भी रेड कार्ड मिला।

### रोनाल्डो ने लगातार पांचों मैच में गोल किए

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लगातार पांच मैच में गोल किए। रोनाल्डो के गोल की बदौलत ही अल नासर सेमीफाइनल में 1-0 से जीत दर्ज कर सकी। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में भी गोल कर टीम को जीत दिलाने में अहम रोल निभाया था। अरब क्लब चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा गोल करने के लिए उन्हें गोल्डन बूट का अवॉर्ड भी मिला। रोनाल्डो क्लब के लिए अब तक 25 मैचों में 20 गोल कर चुके हैं।

### एक्स्ट्रा टाइम में हुआ मैच का फैसला

मैच का फैसला एक्स्ट्रा टाइम में हुआ। निर्धारित 90 समय में स्कोर 1-1 पर था। ऐसे में मैच एक्स्ट्राइम में गया। मैच के 98 वें मिनट में रोनाल्डो ने गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि 115 वें मिनट में रोनाल्डो चोटिल होकर बाहर हो गए। पर अंत तक इस बढ़त को अल नासर ने बनाए रखा और पहली बार खिताब अपने नाम किया।

### वर्ल्ड कप के बाद रोनाल्डो ने अल नासर के साथ किया था करार

पिछले साल वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद रोनाल्डो ने मैनचेस्टर को छोड़कर अरब के क्लब अल नासर के साथ 2025 तक के लिए 621 करोड़ रुपये में करार किया था।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कार्यालय

**महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी**

जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कार्यालय

**प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कार्यालय

**पुलिस अधीक्षक**

जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

कार्यालय

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**

नगर पालिका परिषद (द.ब.) जिला- दंतेवाड़ा

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**जिला शिक्षा अधिकारी**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**समाज कल्याण विभाग**

जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग**

जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**लोक निर्माण विभाग**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**लोक निर्माण विभाग (विद्युत/यांत्रिकीय)**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**उपसंचालक उद्यान विभाग**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**उपसंचालक कृषि विभाग आला प्रोजेक्ट**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**सहायक आयुक्त अधिकारी विकास शाखा**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक दंतेवाड़ा**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**मुख्य चिकित्सा अधिकारी**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**जिला परिवहन कार्यालय**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**वन परिक्षेत्र अधिकारी वन परिक्षेत्र-दन्तेवाड़ा**

जिला- दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

---

## संक्षिप्त समाचार

### लेन्ध्रा की रोशनी समूह को सीमेंट के पोल निर्माण से 8 लाख की शुद्ध आमदनी

**रायपुर।** गौठान, बिहान और महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक इकाई (रीपा) से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। महिलाएं अपनी मेहनत से लाभ अर्जित कर रही हैं। सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम लेन्ध्रा (छोटे) के महिला समूहों के द्वारा गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के अलावा मल्टीएक्टिविटी सेंटर सह-गोदाम कक्ष में कार्य कराई जा रही है। सीमेंट पोल विक्रय कर समूह की माहिलाएं 8 लाख रूपए की शुद्ध लाभ अर्जित कर चुकी है। रोशनी स्वसहायता समूह लेन्ध्रा (छोटे) के गौठान में सीमेंट पोल का निर्माण कार्य महिलाओं द्वारा बेहतर तरीके से किया जा रहा है। पोल निर्माण से महिलाएं अच्छी आमदनी अर्जित कर रही है । रोशनी समूह द्वारा उत्पादित सीमेंट पोल सामग्री का उपयोग अन्य गौठानों में बाउंड्री के लिए उपयोग करने की व्यवस्था की गई, जिसके कारण रोशनी समूह को बिक्री के लिए आर्डर मिलने लगे। रोशनी स्वसहायता समूह की अध्यक्ष हिरन कोशले ने बताया कि उनके समूह में 10 सदस्य हैं। मिक्कर मशीन 2 लाख रूपए में और बाइलरेटर मशीन ढाई लाख रूपए में खरीदी की है। समूह ने अब तक कुल 11 हजार सीमेंट खम्भा बनाया है, जिसमें से 10 हजार 430 खम्बे की बिक्री 16 लाख 68 हजार 8 सौ रूपए में हो चुकी है। खम्भों को बनाने में 8 लाख 34 हजार 4 सौ रूपए की लागत आई है। समूह को शुद्ध 8 लाख रूपए की आमदनी हुई है। रोशनी समूह के सभी सदस्य और उनका परिवार इस कार्य से खुश हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। रोशनी समूह के सभी सदस्यों की यह उपलब्धि अन्य महिला समूहों के प्रेरणादायी है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना रीपा और गौठान की सफलता का यह मॉडल है। उल्लेखनीय है कि लेन्ध्रा (छोटे) के गौठान में दीक्षा, सरस्वती, शिवानी, आशाकिरण आदि स्वसहायता समूह वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खाद का निर्माण कर रही हैं। अन्य स्वसहायता समूह सर्फ, अगरबत्ती आदि का भी निर्माण कर आत्मानिर्भरता की राह में चल रही हैं।

### शहर के दो च्वॉईस सेंटर तीन माह के लिए ब्लॉक

रायपुर। शहर के दो च्वॉईस सेंटरों पर अवैध वसूली कर सेवाएं प्रदान करने की शिकायत के बाद जिला प्रशासन द्वारा तीन माह के लिए आईडी ब्लॉक करने की कार्रवाई की गई है। अब तीन माह तक पारस च्वॉईस सेंटर महोबा बाजार और टिकरापारा साहू काम्पलेक्स स्थित आल इन वन च्वॉईस सेंटर द्वारा शासकीय सेवाओं से संबंधित किसी प्रकार के काम नहीं किए जा सकेंगे। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे के निर्देश पर इन दोनों च्वॉईस सेंटरों का आकस्मिक निरीक्षण भी अधिकारियों ने किया था। इस बारे में जिला ई-गर्वेन्स सोसायटी की मैनेजर कीर्ति शर्मा ने बताया कि स्थानीय समाचार पत्रों में महोबा बाजार के पारस च्वॉईस सेंटर तथा टिकरापारा साहू काम्पलेक्स के आल इन वन च्वॉईस सेंटर के विरूद्ध अवैध रूप से राशि लेकर बी.पी.एल. कार्ड बनाने की खबरें प्रकाशित हुई थी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। दोनों लोक सेवा केन्द्रों की जांच अधिकारियों द्वारा दी गई थी। इस दौरान दोनों केन्द्र ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल में ऑनलाईन नहीं पाए गए। इसके साथ ही ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजनाओं से जुड़ी जन-सुविधा की सेवाएं आय, जाति, निवास इत्यादी बनाने की सेवा शुल्क की जानकारी भी केन्द्र पर प्रदर्शित नहीं की गई थी। इन केन्द्रों पर जन-सुविधा सेवाओं से संबंधित कोई पंजी या रिकार्ड भी नहीं रखा गया था। जनहित की सेवाएं देने में लापरवाही बरतने पर दोनों च्वॉईस सेंटरों की आई.डी. आगामी तीन माह के लिए ब्लॉक कर दी गई हैं।

### मिशन अमृत-2 की राज्य स्तरीय हाई पावर स्टेयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में मिशन अमृत 2.0 की राज्य स्तरीय हाई पावर स्टेयरिंग कमेटी की छठवीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के छह शहरों की जल प्रदाय योजनाओं की विस्तार से चर्चा के उपरांत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की स्वीकृति दी गई। इन जल प्रदाय योजनाओं से करीब 26 हजार 603 से अधिक घरों में नल कनेक्शन दिए जाएंगे। जल प्रदाय परियोजनाओं की लागत करीब 354 करोड़ रूपए होगी। बैठक में मिशन अमृत-2 के अंतर्गत नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा तैयार स्टेट एक्शन प्लान को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौमिल रंजन चौबे ने प्रस्तुतीकरण के जरिए मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत पांच शहरों की जल प्रदाय योजनाओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने जांजगीर-चांपा के शिवरीनारायण, कोण्डागांव जिले की कोण्डागांव, कांकेर जिले की भानुप्रतापपुर, जशपुर जिले की कुनकुरी, सुकमा जिले की सुकमा और धमतरी जिले की आमदी जल प्रदाय योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

---

प्रभारी मंत्री मोहन मरकाम ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की मैराथन बैठक

# शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाना शासन की प्राथमिकता

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग एवं मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहन मरकाम ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ सभी को मिले। जनता को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। समीक्षा बैठक जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहन मरकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल के मंशानुसार व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र धारियों को मनरेगा के अंतर्गत भूमि समतलीकरण व अन्य कार्य प्राथमिकता से स्वीकृत किया जा रहा है। इससे वनाधिकार पत्र धारी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रहे हैं। किसी भी कारण से अस्वीकृत वनाधिकार पत्रों को फिर से रिव्यू किया जाए और पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र वितरित करने के निर्देश दिए। इसी तरह राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने नगरीय निकाय क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के सम्बन्ध में जनता के बीच प्रतिक्रिया से अवगत होते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी से जिले में खाद-बीज की उपलब्धता की जानकारी ली। खाद्य बीज की काला बाजारी को रोकने के लिए सतत् रूप से दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होंने उप संचालक कृषि को राजीव गांधी किसान न्याय योजना तथा अन्य योजनाओं से अधिक से अधिक कृषकों को लाभान्वित करने को कहा। गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए श्री मरकाम ने जिले के गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट उत्पाद व गौठानों में कार्यरत स्व.-सहायता समूहों की जानकारी ली तथा अधिक से अधिक महिला स्व-सहायता समूह को जोड़ने के निर्देश दिये। इसी तरह जिले मे रीपा अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी लेते हुए क्षेत्र की महिलाओं और युवाओं को अधिक से अधिक स्व-रोजगार से जोड़ने को कहा। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री शाला जतन योजना के अंतर्गत मरम्मत व अन्य प्रगतिरत निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होनें स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम स्कूलों में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी ली। श्री मरकाम ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ सकें। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत चल रहे जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण यथाशीघ्र पूरा करने को कहा। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी। श्री मरकाम ने कहा कि सड़कें विकास की जीवन रेखा होती है, सड़कों का नियमित रूप से मरम्मत व नवीनीकरण का कार्य करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को दिये। बैठक में उन्होंने जिला खनिज संस्थान न्यास योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की जानकारी ली। इस मद की राशि का उपयोग आवश्यकता के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर जिले के विकास कार्यों में करने को कहा। उन्होंने आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावास -आश्रमों के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा की कन्या छात्रावासों-आश्रमों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति छात्रावास परिसर में प्रवेश ना कर सके। इसी प्रकार प्रभारी मंत्री ने अन्य विभागों की गहन समीक्षा करते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ आमजनो तक पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

---

# सोलर सिंचाई पम्पों से किसानों के खेतों में छायी हरियाली.....

- छत्तीसगढ़ में पिछले साढ़े चार साल में लगाए गए 1.37 लाख सोलर पम्प
- सौर सुजला योजना से बदली किसानों की तकदीर : आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी अब वर्षभर हो रही खेती

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में दुर्गम क्षेत्रों तक भी किसानों के खेतों में फसल लहलहा रही है। ऐसे क्षेत्रों जहां बारिश कम हो या जहां दूसरी फसल लेना हो वहां बारिश के मौसम के बाद भी पानी की पर्याप्त व्यवस्था सौर सुजला योजना ने कर दी है। ऐसे क्षेत्रों में जहां बिजली की पहुंच अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) विभाग द्वारा प्राप्त सोलर पम्पों से खेतों से सिंचाई अब आसान हुई है। गौरतलब है कि ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोतों को बढ़ावा देने हेतु क्रेडा द्वारा विगत साढ़े चार वर्षों में शासन की महत्वाकांक्षी योजना सौर सुजला योजना अंतर्गत एक लाख 37 हजार से अधिक सोलर पंपों की स्थापना कर प्रदेश के कृषकों को सिंचाई सुविधा मुहैया कराई गई है जो कि देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित सोलर पंपों की तुलना में सर्वाधिक है। छत्तीसगढ़ ने सोलर सिंचाई पम्प स्थापना में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट परफॉरमेंस स्टेट नोडल एजेंसी का अवार्ड भी प्राप्त किया है। प्रदेश के सैकड़ों किसान अपने खेतों में सोलर पंप लगाकर खेतों की प्यास बुझा रहे हैं, जिससे उपज में बढ़ोत्तरी के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ी है। राज्य सरकार के कृषि विभाग व क्रेडा की ओर से रियायती दरों पर किसानों को सोलर सिंचाई पंप प्रदान किए जाते हैं। ऐसे अनेकों गांव तथा खेत खलिहान में सोलर पंप लगाने में प्राथमिकता दी जा रही है, जहां बिजली पहुंच पाना संभव नहीं हैं। सुदूर वनांचल क्षेत्रों के किसानों के लिए सौर सुजला योजना वरदान साबित हो रही है।

### युवक के खाते से करोड़ों रुपए का लेन देन करने वाले दो के खिलाफ जुर्म दर्ज

**रायपुर।** दो युवकों ने एक व्यक्ति के नाम से उत्कर्ष स्मॉल फायनेंस बैंक शाखा में खाता खोलकर करोड़ों रुपयों का लेन-देन किया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजेन्द्र कुमार भारती 35 वर्ष आदर्श नगर पहाड़ी चौक गुढियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी संजू एवं वैभव शुक्ला भारत माता चौक के पास गुढियारी में जीयो सिम का स्टाल लगाकर सिमकार्ड बांट रहे थे। जिससे प्रार्थी ने भी जीयो सिम लिया था। जिससे आरोपियों ने प्रार्थी से आधार कार्ड, आईडी पेनकार्ड, 2 फोटो व अंगुठा का निशान लगवाकर सिम कार्ड दिया था।

---

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी हार मान चुका है

# छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के मुकाबले भाजपा कहीं नहीं है-सुरेंद्र वर्मा...

रायपुर/ संवाददाता

डेढ़ महीने के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के संभावित दूसरे दौर और गृह मंत्री अमित शाह के तीन-तीन बार छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि दरअसल भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी यह मान चुका है कि भाजपा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के मुकाबले में कहीं पर नहीं है। 15 साल वादाखिलाफी और कुशासन के बाद 2018 के चुनाव में 90 में 15 सीटों पर आने वाली भाजपा के अब तो छत्तीसगढ़ में कुल 13 ही विधायक बचे हैं। विगत 4 वर्ष में चार प्रदेश अध्यक्ष बदले, 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान धरमलाल कौशिक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हुआ करते थे। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार का ठीकरा फोड़ते हुए धरमलाल कौशिक को अध्यक्ष पद से हटाया फिर वे नेता प्रतिपक्ष बनाए गए। ढाई साल में ही धरमलाल कौशिक नेता प्रतिपक्ष से भी हटा दिए गए और उनके स्थान पर सबसे निष्क्रिय विधायक नारायण चंदेल को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। धरमलाल कौशिक के बाद बस्तर के आदिवासी नेता विक्रम उसेंडी को भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया और साल भर के भीतर ही उनको भी हटाकर विष्णुदेव साय को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए। विक्रम उसेंडी और विष्णु देव साय अपनी कार्यकारिणी भी नहीं बना पाए थे, उन्हें बेइज्जत करके बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। विष्णु देव साय को तो विश्व आदिवासी दिवस के दिन ही अध्यक्ष पद से बेदखल किया गया। साय के स्थान पर भाजपा के सबसे निष्क्रिय सांसद अरुण साव को अध्यक्ष बनाए जो बिलासपुर से सांसद है।

---

# कम हुआ सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा पर कार्रवाई की जरूरत..

- ग्यारह हजार से अधिक मवेशियों को सड़कों से हटाया गया, 45 हजार रूपये से अधिक जुर्माना भी वसूला

रायपुर/ संवाददाता

संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रायपुर संभाग में सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने, पशुओं के कारण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कार्रवाई गहन समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई इस बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री रतन लाल डांगी सहित संभाग के पांचों जिलों रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, धमतरी और महासमुंद के कलेक्टर एवं अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में संभागायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्गों, शहरी क्षेत्रों की सड़कों के साथ संभाग की मुख्य सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा हटाने के लिए की जा रही कार्रवाई की जिलावार समीक्षा की। डॉ. अलंग ने आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाकर गौठानों, कांजी हाउस या गौशालाओं में रखने के साथ-साथ ग्रामीणों और मवेशियों के पालकों से बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए। रायपुर संभाग में पिछले एक सप्ताह में 11 हजार से अधिक मवेशियों को सड़कों से हटाया गया है। इन मवेशियों को बड़े गौठानों, गांव के कांजी हाउस या गौशालाओं में सुरक्षित रखा गया है। मवेशियों के मालिकों से 45 हजार रूपये से अधिक जुर्माना भी वसूला गया है। अब तक की गई कार्रवाईयों पर संतोष जताते हुए संभागायुक्त ने आगे भी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए। बैठक में संभागायुक्त ने गांव-गांव में बने सभी कांजी हाउसों को सक्रिय करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मवेशियों को रखने वाले गौठानों, गौशालाओं और कांजी हाउसों में चारा-पानी के साथ-साथ पशुओं के इलाज की सुविधा भी सुनिश्चित करने को कहा। जिला कलेक्टरों ने बताया कि आवारा और सड़क पर बैठे मवेशियों की धर-पकड़ के दौरान उनके गले में रेडियम बेल्ट बांधा जा रहा है, ताकि पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

### सारनाथ एक्सप्रेस में गांजा तस्करीः तस्कर रायपुर से गांजा लेकर यूपी जा रहे थे

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से उत्तरप्रदेश गांजा लेकर जा रहे दो तस्कर को जीआरपी की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सारनाथ एक्सप्रेस से गांजा तस्करी करने की तैयारी में थे। जांच के दौरान टीम ने उनके पास से दो ट्रॉली बैग से 28 किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। तस्कर गांजा को ओड़ीशा से लेकर आ रहे थे। रेलवे के एसआरपी जेआर ठाकुर ने ट्रेनों में गांजा व नशे का सामान तस्करी रोकने के लिए एंटी क्राइम टीम का गठन किया है। टीम को उन्होंने ट्रेनों की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही उन्हें ट्रेनों में संचालित अवैध हथियार तस्करों की धरपकड़ करने के लिए कहा है। टीम के सदस्य मंगलवार की रात रायपुर रेलवे स्टेशन व आसपास चेकिंग कर रहे थे, तभी उन्हें दो संदेही मिले। उनकी बैग की तलाशी लेने पर अलग-अलग पैकेट्स में गांजा मिला। जीआरपी की टीम ने पूछताछ की, तब पता चला कि महादेव कुमार (30) पिता लक्ष्मी कुमार और राजा बंजारा (19) पिता कृष्णा बंजारा उड़ीशा के नहरमपुर के रहने वाले हैं। दोनों ओड़ीशा से गांजा लेकर रायपुर आए थे, जहां से वे सारनाथ एक्सप्रेस में गांजा लेकर उत्तरप्रदेश के आगरा जाने की फिराक में थे।

---

# भरोसे के सम्मेलन में हित ग्राहियों को मिला सुनहरे भविष्य का भरोसा

- तालाब के पट्टे, कोसा धागाकरण मशीन ,सिलाई मशीन सहित अन्य सामग्रियों का किया गया वितरण

रायपुर/ संवाददाता

जांजगीर-चाम्पा जिले में आज आयोजित भरोसे के सम्मेलन में जहाँ जिलेवासियों को 467 करोड़ 32 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली, वही जिले के बेरोजगार, जरूरतमंद हितग्राहियों को रोजगार, आत्मनिर्भर होने और अपने पैरों में खड़े होने का अवसर भी मिला। मुख्य अतिथि नेताप्रतिपक्ष राज्यसभा और सांसद श्री मल्लिकार्जुन खड़गे तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के हाथों हितग्राहियों को अनेक योजनाओं के अंतर्गत सामग्रियां वितरित की गई। भरोसे के सम्मेलन में योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों ने कहा कि यह उनके सुनहरे भविष्य का एक मजबूत भरोसा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने हम गरीबों का ध्यान रखा, उसके लिए हितग्राहियों ने आभार भी जताया। सम्मेलन में ग्राम नंदेली की जय माँ चंडी दाई स्व सहायता समूह को 10 साल के लिए तालाब में मछली पालन के लिए पट्टा मिला। समूह की अध्यक्ष श्रीमती पितर बाई ने कहा कि गाँव के तालाबों का पट्टा देकर मत्स्य पालन के लिए न सिर्फ जाल, आइसबॉक्स, बीज दिया जा रहा है, मछली पालन के व्यवसाय से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए भी गरीबों और गाँव की महिलाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। आइसबॉक्स से लाभान्वित होने वाले ग्राम कमरीद के सूर्या युवा स्व सहायता समूह के अध्यक्ष ने बताया कि तालाब का पट्टा मिलने से मछली पालन के साथ रोजगार के नए अवसर मिला। ग्राम भडेसर की संगीता बाई, रेशमा बाई ने बताया कि उन्हें अंत्यावसायी विभाग से सिलाई मशीन मिला। वे सिलाई का काम करती है। शासन द्वारा 10 हजार रुपए के अनुदान मिला है। इतनी बड़ी राशि की छूट से उन्हें बड़ी राहत मिली है। अब नई मशीन से वह अपने सिलाई के व्यवसाय को और भी आगे बढ़ा पाएगी। कार्यक्रम में 219 हितग्राहियों को मशीन में अनुदान 21 लाख 90 हजार रुपये दिया गया। इसी तरह रेशम विभाग द्वारा 1940 हितग्राहियों को सिल्क समग्र योजना अंतर्गत कोसा धागाकरण के लिए 1 करोड़ 94 लाख रुपए की मशीनें दी गई। ग्राम पेंड्री की श्रीमती मां कुमारी और गोविंदा की कलाबाई पटेल बताया कि कोसा धागाकरण मशीन मिलने से अब उनका काम आसान हो गया है। उन्होंने बताया कि वे पहले थाई से धागाकरण करती थीं, अब मशीन से क्वालिटी के साथ कम समय में भी आसानी से धागाकरण कर लेंगी।

---

उप मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न मुद्दों पर सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन्स से की चर्चा

# प्रदेशवासियों के सामाजिक-आर्थिक हितों के लिए हर अच्छी व्यवस्था को लागू करने की कोशिश करेंगे-टीएस सिंहदेव.....

- विभिन्न सेक्टरों में संचालित योजनाओं और नीतिगत विषयों पर हुआ विचार-विमर्श, मशहूर अर्थशास्त्री श्री ज्यां द्रेज भी चर्चा में रहे मौजूद

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन्स के साथ राज्य के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रदेश में काम कर रहे गैर-सरकारी संगठनों के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं, यूनिवर्सल हेल्थ केयर, पोषण, फोर्टिफाइड चावल वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मातृत्व लाभ, सिकलसेल, टीबी एवं एनीमिया उन्मूलन से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री श्री ज्यां द्रेज भी इन चर्चाओं में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन्स के साथ चर्चा में कहा कि राज्य के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए ट्रस्ट मॉडल पर स्वास्थ्य योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किफायती एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे में अधिक से अधिक लोगों को लाने के लिए इस सेक्टर में बजट लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसे राज्य के जीडीपी के आठ प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के सामाजिक और आर्थिक हितों के लिए जिन अच्छी व्यवस्थाओं को लागू किया जा सकता है, प्रदेश के बजट का ध्यान रखते हुए उन्हें लागू करने की पूरी कोशिश करेंगे। मशहूर अर्थशास्त्री श्री ज्यां द्रेज ने बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली राशि को बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उनकी पूरी सामाजिक सुरक्षा जरूरी है। सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन्स के प्रतिनिधियों ने बैठक में मातृत्व लाभ के अंतर्गत दी जाने वाली राशि एवं सुविधाओं को केवल एक बच्चे तक सीमित न रखकर सभी बच्चों के लिए लागू करने का सुझाव दिया। ऐसा करना बच्चे और मां की अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने मातृत्व अवकाश का लाभ हर तरह के कर्मचारियों एवं श्रमिकों को देने का भी सुझाव दिया।

छत्तीसगढ़ शासन

# संघर्ष से संप्रभुता तक

15 अगस्त

## स्वतंत्रता दिवस पर

### आज़ादी की विरासत को सहेजने के संकल्प के साथ
### देश के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीरों को

## छत्तीसगढ़ का नमन

देश की स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ पर आज हम गर्व से 'नवा छत्तीसगढ़' के निर्माता के रूप में खड़े हैं
प्रदेश के हर व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन की चमक है

- किसान ऋण-मुक्त हैं और समृद्धि की फसल काट रहे हैं
- नि:शुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं चौखट तक पहुंच रही हैं
- न्याय की लम्बी लड़ाई लड़ रहे आदिवासियों के पास उनके जंगल-जमीन पर अधिकार है
- वनोपज की खरीदी से लाखों वनाश्रितों की आय सुनिश्चित हुई है
- रोजगार के नए अवसरों से युवाओं के लिए प्रगति के रास्ते खुले हैं
- नई नीतियों से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं
- उत्कृष्ट सरकारी स्कूलों ने आधुनिक शिक्षा के नए आयाम रचे हैं
- हमारे गांव आत्मनिर्भरता के नए केंद्र के रूप में स्थापित हुए हैं
  जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास को मजबूती मिली है
- निवेशक अनुकूल औद्योगिक नीतियों के वजह से नए
  निवेश से राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिली है
- न्याय योजनाओं का लाभ पंक्ति के आखिर में खड़े
  हर व्यक्ति तक पहुंचा है

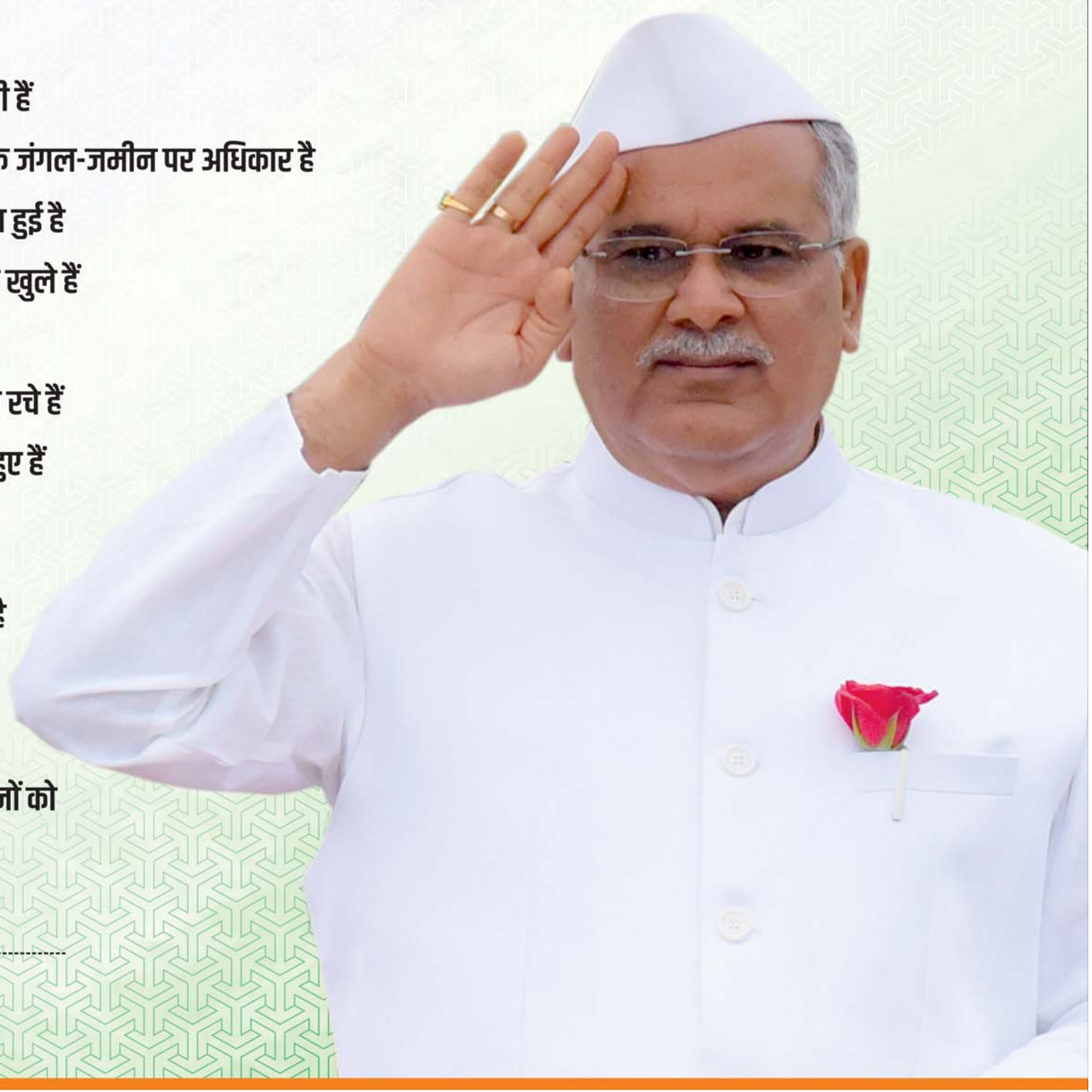

स्वतंत्रता सेनानियों के 'समावेशी और संपन्न भारत' के सपनों को
हम अपनी नीतियों और निर्णयों से साकार कर रहे हैं।

**जय हिंद! जय छत्तीसगढ़!**

**- भूपेश बघेल** मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक–संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग–मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:–9301031000, 0771–6556444 bharatbhaskar222@gmail.com